सुविचार

फल की अभिलाषा छोड़कर कर्म करनेवाला मनुष्य ही मोक्ष प्राप्त करता है।

" गीता "

दैनिक

रेवांचल टाइम्स

निष्पक्ष, निर्भीक एवं सत्य का प्रवर्तक

Revanchal Times
7509202320
@revanchal_times
revanchaljabalpur@gmail.com
revanchaltimes_

■ वर्ष - 09 ■ अंक - 335 ■ मंडला, बुधवार 11 मार्च 2026 ■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य-1 रूपये ■ विक्रम संवत् 2082 शक 1935 ■ www.revanchaltimes.com RNI. Reg. No MPHIN/2016/69877

देश के कई राज्यों में कॉमर्शियल गैस सिलेंडर सप्लाई बंद

गैस नहीं मिल रही, होटल-रेस्टोरेंट बंद होने की नौबत; आवश्यक वस्तु अधिनियम लागू

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देशभर में 'आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955' लागू कर दिया है। हॉर्मुज जलमार्ग के रास्ते होने वाली गैस सप्लाई ठप होने के बाद सरकार ने ये कदम उठाया है। गैस किल्लत को देखते हुए दिल्ली मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ समेत कई राज्यों ने कॉमर्शियल गैस की सप्लाई पर फिलहाल रोक लगा दी है। इस रोक की वजह से रेस्टोरेंट्स और होटलों के बंद होने की नौबत आ गई है। छोटे होटल और भोजनालय चलाने वालों ने सरकार से कहा है कि सप्लाई बहाल की जाए।

कमोडिटी एक्ट लागू होने के बाद 4 कैटेगरी में गैस बंटेगी

पहली कैटेगरी (पूरी सप्लाई): इसमें आपके घर की रसोई गैस और गाड़ियों में डलने वाली उठ्ऋआती है। इन्हें पहले की तरह पूरी गैस मिलती रहेगी।

दूसरी कैटेगरी (खाद कारखाने): खाद बनाने वाली फैक्ट्रियों को करीब 70% गैस दी जाएगी। बस उन्हें यह साबित करना होगा कि गैस का इस्तेमाल खाद बनाने में ही हुआ है।

तीसरी कैटेगरी (बड़े उद्योग): नेशनल ग्रिड से जुड़ी चाय की फैक्ट्रियों और दूसरे बड़े उद्योगों को उनकी जरूरत की लगभग 80% गैस मिलेगी।

चौथी कैटेगरी (छोटे बिजनेस और होटल): शहरों के गैस नेटवर्क से जुड़े छोटे कारखानों, होटल और रेस्टोरेंट को भी उनकी पुरानी खपत के हिसाब से लगभग 80% गैस दी जाएगी।

क्या है आवश्यक वस्तु अधिनियम?

एसेंशियल कमोडिटी एक्ट 1955 एक ऐसा कानून है, जो सरकार को यह ताकत देता है कि वह किसी भी जरूरी चीज जैसे- अनाज, दालें, खाने का तेल, दवाइयां या ईंधन की सप्लाई और कीमतों को कंट्रोल कर सके। इसे आसान भाषा में 'जमाखोरी रोकने वाला कानून' कह सकते हैं। ब कभी किसी चीज की कमी होने लगती है या उसकी कीमतें बहुत ज्यादा बढ़ने लगती हैं, तो सरकार इस कानून को लागू कर देती है। इसके तहत व्यापारियों के लिए स्टॉक की एक लिमिट तय कर दी जाती है कि वे एक सीमा से ज्यादा सामान गोदामों में नहीं भर सकते।

इन राज्यों में सप्लाई पर सबसे ज्यादा असर

उत्तर प्रदेश: बुकिंग के 4-5 दिन बाद भी डिलीवरी नहीं कॉमर्शियल सिलेंडरों की सप्लाई पर अघोषित रोक से होटल-रेस्टोरेंट और ढाबा संचालकों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। कंपनियों ने एजेंसियों को पूरा फोकस सिर्फ घरेलू गैस पर रखने को कहा है, लेकिन इसके बावजूद आम लोगों में घबराहट का माहौल है। लखनऊ, कानपुर और वाराणसी जैसे शहरों में बुकिंग के 4-5 दिन बाद भी डिलीवरी नहीं हो पा रही है।

महाराष्ट्र: मुंबई में करीब 20% हटोल और रेस्टोरेंट बंद मुंबई, पुणे और नागपुर में कॉमर्शियल गैस की भारी कटौती की गई है। पुणे में तो हालात इतने खराब हैं कि नगर निगम ने गैस शवदाह गृह अस्थायी रूप से बंद कर दिए हैं। राज्य के करीब 9,000 रेस्टोरेंट्स और बार पर बंद होने का खतरा मंडरा रहा है।

मुंबई में कॉमर्शियल गैस सप्लाई की किल्लत की वजह से अब तक करीब 20% होटल और रेस्टोरेंट बंद हो चुके हैं। होटल एसोसिएशन 'आहार' (अल्ऊफ) ने चेतावनी दी है कि अगर सप्लाई नहीं सुधरी, तो अगले दो दिनों में आधे से ज्यादा यानी 50% होटलों पर ताले लग सकते हैं।

मध्य प्रदेश: कीमत बढ़ने के बाद भी सिलेंडर नहीं मिल रहा होटल संचालकों का कहना है कि कीमत बढ़ने के बाद भी सिलेंडर नहीं मिल रहा है। आखिर शादी के सीजन के बीच सिलेंडर की सप्लाई रोकने का फैसला क्यों लिया गया। भोपाल में करीब 2000 से ज्यादा मझोले और बड़े होटल-रेस्त्रां हैं, जहां कॉमर्शियल सिलेंडर का इस्तेमाल होता है।

लोकसभा में स्पीकर बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश

50 विपक्षी सांसदों ने पक्ष में वोट किया; गोगोई ने कहा- देश का नेतृत्व कमजोर, बुजदिल

नई दिल्ली। लोकसभा में मंगलवार को विपक्ष स्पीकर ओम बिरला को पद हटाने के लिए अविश्वास प्रस्ताव लाया। 50 से ज्यादा सांसदों ने पक्ष में वोट किया। इसके बाद पीठासीन ने प्रस्ताव पेश करने की परमिशन दे दी। अब इस प्रस्ताव पर 10 घंटे चर्चा चलेगी। विपक्ष ने ओम बिरला पर सदन की कार्यवाही में पक्षपात करने का आरोप लगाया है। बहस की शुरूआत कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने की। उन्होंने कहा कि बजट सत्र के दौरान नेता प्रतिपक्ष ने 20 बार राहुल गांधी को रोक-टोका गया। उन्हें बार बार रूलिंग बुक दिखाई गई। उन्होंने अपनी स्पीच में एक आर्टिकल का हवाला दिया। इस पर उन्हें मना किया गया, लेकिन सत्ता पक्ष के सांसदों ने भारत में बैन किताबें सदन में दिखाईं। उनसे कुछ नहीं कहा गया। इस तरह का भेदभाव स्वीकार नहीं है। **विपक्ष ने डिप्टी स्पीकर के नियुक्त ना करने पर सवाल** : कार्यवाही के दौरान कांग्रेस ने स्पीकर की गैर-मौजूदगी में डिप्टी स्पीकर नियुक्त न करने पर सवाल उठाए। कहा कि चेयर पर बैठे जगदंबिका पाल कैसे इस दौरान कार्यवाही चला सकते हैं। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि देश का नेतृत्व कमकोर और बुजदिल है। डिप्टी स्पीकर का पद विपक्ष को देने की परंपरा रही है। 16वीं लोकसभा में ठऊअ में शामिल रहे अन्नाद्रमुक के थंबीदुरई को यह पद दिया गया था, जबकि, 17वीं और 18वीं लोकसभा में किसी को भी डिप्टी स्पीकर नहीं बनाया गया। सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने नियमों का हवाला देते हुए पॉइंट ऑफ ऑर्डर उठाया और कहा कि जब स्पीकर को हटाने के प्रस्ताव पर चर्चा हो रही हो, तब स्पीकर को कार्यवाही की अध्यक्षता करने का अधिकार नहीं होता। उन्होंने कहा कि अभी तक डिप्टी स्पीकर नियुक्त नहीं किया गया है और जो व्यक्ति चेयर पर बैठे हैं, वे भी स्पीकर की मंजूरी से ही आए हैं, इसलिए वे इस प्रस्ताव पर कार्यवाही नहीं चला सकते। उन्होंने मांग की कि बहस शुरू करने से पहले सदन की सहमति से तय किया जाए कि कार्यवाही की अध्यक्षता कौन करेगा। निशिकांत दुबे ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि नियमों के अनुसार चेयर पर बैठा कोई भी व्यक्ति स्पीकर जैसी शक्तियां रखता है और वह कार्यवाही की अध्यक्षता कर सकता है। किरेन रिजिजू ने भी इस बात का समर्थन किया। केसी वेणुगोपाल ने सरकार पर डिप्टी स्पीकर नियुक्त न करने को लेकर हमला बोला और कहा कि बहस शुरू होने से पहले सदन की सहमति ली जानी चाहिए। इसके बाद रवि शंकर प्रसाद ने कहा कि चेयर पर बैठे व्यक्ति को कार्यवाही चलाने का पूरा अधिकार है। आखिर में चेयर पर बैठे जगदंबिका पाल ने कहा कि स्पीकर का पद खाली नहीं है, इसलिए उन्हें कार्यवाही चलाने का अधिकार है। कई सदस्यों ने पॉइंट ऑफ ऑर्डर उठाने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने कहा कि उन्हें बाद में मौका दिया जाएगा।

गौरव गोगोई ने बिरला पर भेदभाव के 3 आरोप लगाए

2 फरवरी को नेता विपक्ष राहुल गांधी जब बोल रहे थे, तब उन्हें बार-बार रोका गया। स्पीकर सर ने उनके तर्क पर सबूत देने का कहा।

9 फरवरी को शशि थरूर जब बोल रहे थे, तब उनका माइक बंद कर दिया गया। सरकार ने कहा कि बोलिए...लेकिन हम कैसे बोल सकते हैं जब माइक ऑफ किया गया हो। संसद में ऐसी नई-नई चीजें हो रही हैं। आज महिला सांसदों के उद्देश्य पर सवाल उठाए जा रहे हैं। ओम बिरला जी ने पीएम मोदी के समय कहा था कि महिला सांसदों ने पीएम की चेयर घेर ली है। उनके साथ कुछ भी हो सकता था। ये बहुत ही शर्मनाक बात है। बिरला ने किस आधार पर महिला सांसदों पर ये आरोप लगाए।

सरकारी नौकरियों में OBC के लिए 27% आरक्षण बरकरार

केंद्र सरकार ने लोकसभा में दी जानकारी, PM-YASHASVI योजना से होगा छात्रों का कल्याण

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने मंगलवार को संसद में स्पष्ट किया कि केंद्र के तहत आने वाले सभी सिविल पदों और सेवाओं में सीधी भर्ती के लिए अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) को 27 प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है। सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री बी. एल. वर्मा ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में आरक्षण नीति और समुदायों के कल्याण के लिए चल रही योजनाओं का विवरण साझा किया। उन्होंने कहा, सरकार की कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग के 8.9.1993 तारीख के कार्यालय ज्ञापन (ओएम) और समय-समय पर जारी दूसरे निदेशों के माध्यम से एक आरक्षण नीति है, जिसके तहत सरकार के तहत सिविल पदों और सेवाओं में सीधी भर्ती में 27 प्रतिशत रिक्त पद ओबीसी के लिए आरक्षित हैं। वर्मा ने कहा कि मंत्रालय ह्यपीएम यंग अचीवर्स स्कॉलरशिप अवार्ड स्कीम फॉर वाइब्रेंट इंडिया (पीएम-यशस्वी) के तहत ओबीसी समुदाय की भलाई के लिए कदम उठा रहा है, जिसमें प्री-मैट्रिक और पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति, स्कूलों और कॉलेजों में शीर्ष स्तर की शिक्षा और ओबीसी समुदाय के लड़कों तथा लड़कियों के लिए छात्रावास बनाना शामिल है। सरकार का यह बयान उन युवाओं के लिए महत्वपूर्ण है जो सरकारी सेवाओं की तैयारी कर रहे हैं। शिक्षा से लेकर रोजगार तक, केंद्र सरकार ने ओबीसी समुदाय के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। 'पीएम-यशस्वी' जैसी योजनाएं भविष्य में समुदाय के शैक्षणिक स्तर को ऊपर उठाने में मील का पत्थर साबित होंगी।

ईरान बोला- एक लीटर तेल भी बाहर नहीं जाने देंगे

जो देश इजराइल-अमेरिका के राजदूतों को निकालेगा, उसके ही जहाज होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने देंगे

तेल अवीव/तेहरान। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का 11वां दिन हैं। इस बीच ईरान ने कहा है कि वह एक लीटर तेल भी बाहर नहीं जाने देगा। ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों के गुजरने को लेकर एक नई शर्त रखी है। इजराइली मीडिया वाइनेट की रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान की सेना इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (कRक्ष्ठ) ने कहा है कि कुछ देशों के जहाजों को इस रास्ते से गुजरने दिया जा सकता है, लेकिन इसके लिए उन देशों को पहले इजराइल और अमेरिका के राजदूतों को अपने देश से निकालना होगा। होर्मुज स्ट्रेट दुनिया का बहुत अहम समुद्री रास्ता है। हर साल दुनिया के करीब 20% तेल की सप्लाई इसी रास्ते से गुजरती है। हालांकि अमेरिकी चैनल उठठ ने कहा है कि ईरान इस रास्ते से गुजरने वाले तेल टैंकरों और व्यापारिक जहाजों पर सिक्योरिटी टैक्स यानी सुरक्षा शुल्क लगाने की योजना बना रहा है, खासकर उन जहाजों पर जो अमेरिका के सहयोगी देशों के हैं।

राष्ट्र विरोधी गतिविधियों के आरोप में सरकार का बड़ा एक्शन, जल शक्ति विभाग के 3 कर्मचारी बर्खास्त

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर सरकार ने राष्ट्र विरोधी और विध्वंसक गतिविधियों में कथित तौर पर शामिल होने के कारण जल शक्ति विभाग के तीन कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया है। अधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। इन कर्मचारियों में किश्तवाड़ जिले के हुल्लर में भगवान मोहल्ला के रहने वाले लियाकत अली भगवान और एक मजदूर कौसर हुसैन भगवान निवासी हुंजला जिला किश्तवाड़ और दिहाड़ी मजदूर शौकत अहमद जरगर निवासी बिजबेहरा में इकबाल मोहल्ला जिला अनंतनाग हैं। जल शक्ति विभाग के वित्तीय आयुक्त (एसीएस), शालीन काबरा द्वारा नौ मार्च को जारी अलग-अलग सरकारी आदेशों के अनुसार, गृह विभाग से मिली सिफारिश और इन लोगों के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत आपराधिक मामला दर्ज होने के बाद प्रशासनिक हित में यह कार्रवाई की गई है।

सरकार कोविड वैक्सीन से नुकसान का मुआवजा दे : सुप्रीम कोर्ट

नई पॉलिसी बनाए; साइड इफेक्ट्स की जांच के लिए एक्सपर्ट पैनल की जरूरत नहीं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को कोविड वैक्सीनेशन से जुड़ी याचिकाओं पर फैसला सुनाते हुए कहा कि सरकार वैक्सीनेशन के साइड इफेक्ट्स का मुआवजा देगी। इसके लिए वह नो-फॉल्ट कंपनसेशन पॉलिसी बनाए। नो-फॉल्ट कम्पनसेशन पॉलिसी का मतलब है कि अगर किसी व्यक्ति को दवा या वैक्सीन से नुकसान हो जाए, तो उसे

मुआवजा मिल सकता है, भले ही इसमें किसी की गलती साबित न हुई हो। जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की बेंच ने यह भी कहा कि वैक्सीनेशन के साइड इफेक्ट्स की मॉनिटरिंग के लिए मौजूदा सिस्टम जारी रहेगा। इसके लिए अलग से एक्सपर्ट पैनल बनाने की जरूरत नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने रचना गंगू और वेणुगोपालन गोविंदन की 2021 में दायर याचिका पर यह फैसला सुनाया, जिसमें आरोप लगाया गया था कि उनकी बेटियों की मौत कोविड वैक्सीन के साइड इफेक्ट्स के कारण हुई थी।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश की 3 बड़ी बातें

- वैक्सीन के साइड इफेक्ट्स से जुड़े आंकड़े समय-समय पर पब्लिक डोमेन में रखा जाएगा।
- इस फैसले का मतलब यह नहीं होगा कि व्यक्ति दूसरे कानूनी उपायों का सहारा नहीं ले सकता।
- मुआवजा नीति का यह मतलब नहीं होगा कि सरकार या किसी दूसरी अथॉरिटी ने अपनी गलती मान ली है।

जालंधर-पठानकोट हाईवे पर भीषण सड़क हदसा

मां-बेटे समेत तीन की मौत

होशियारपुर। पंजाब के होशियारपुर जिले में जालंधर-पठानकोट राष्ट्रीय राजमार्ग पर चोलांग टोल प्लाजा के पास हुए एक सड़क हादसे में एक महिला और उसके बेटे सहित तीन लोगों की मौत हो गई और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने मंगलवार को घटना की जानकारी देते हुए बताया कि मृतकों की पहचान दसूहा स्थित केएमएस कॉलेज की मुख्य प्रशासक शबनम सैनी (48), उनके बेटे तुशांत (18) (दोनों निवासी दसूहा) और राहुल (25) (निवासी गुरदासपुर) के रूप में हुई है। टांडा थाना के एसएचओ गुरिंदरजीत सिंह नागरा ने बताया कि दुर्घटना सोमवार देर रात उस समय हुई जब शबनम सैनी और उनका बेटा अर्टिगा कार में जालंधर से दसूहा जा रहे थे। उन्होंने बताया कि चोलांग टोल प्लाजा के पास उनकी कार कथित तौर पर अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे खड़ी एक बोलेरो गाड़ी से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बोलेरो पलटकर सड़क किनारे जा गिरी, जबकि अर्टिगा कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस के अनुसार, शबनम सैनी, उनके बेटे तुशांत और बोलेरो में सवार राहुल की मौके पर ही मौत हो गई।

ट्रंप का बड़ा बयान, बोले- ईरान के खिलाफ युद्ध जल्द होगा समाप्त, दुनिया ने ली राहत की सांस

वॉशिंगटन। अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ जारी सैन्य संघर्ष पर कई महत्वपूर्ण लेकिन अलग तरह के बयान देते हुए कहा है कि युद्ध लगभग पूरा हो चुका है और अमरीका अपने निर्धारित समय से काफी आगे चल रहा है। ट्रंप ने फ्लोरिडा के डोराल में मीडिया को संबोधित करते हुए दावा किया है कि 28 फरवरी को युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक अमरीका और इजरायल ने ईरान के पांच हजार ठिकानों पर हमले किए हैं। युद्ध को लगभग पूरा हो जाने की बात बताने के कुछ घंटों बाद फ्लोरिडा में फिर से ईरान के विषय पर बोलते हुए राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि हमने एक छोटी यात्रा की क्योंकि हमें लगा कि कुछ बुराई को खत्म करने के लिए ऐसा करना जरूरी था। उन्होंने आगे कहा कि मुझे लगता है कि आप देखेंगे कि यह एक बहुत ही

कम समय की यात्रा होने जा रही है। राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में कहा कि हमने पहले ही कई मायनों में जीत हासिल कर ली है, लेकिन हमने अभी पर्याप्त जीत हासिल नहीं की है। उन्होंने संकल्प जताते हुए कहा कि हम इस लंबे समय से चले आ रहे खतरे को हमेशा के लिए समाप्त करने और अंतिम जीत हासिल करने के लिए पहले से कहीं अधिक दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं। अपनी औपचारिक प्रेस वार्ता के दौरान ट्रंप ने दोहराया कि ईरान में सैन्य अभियान एक जबरदस्त सफलता रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि वह यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि ईरान आने वाले लंबे समय तक परमाणु हथियार विकसित न कर सके। उन्होंने कहा कि अमरीका के पास अभी भी ईरान में कुछ लक्ष्य हैं, जिन्हें महज एक दिन में नष्ट किया जा सकता है। इसके बावजूद राष्ट्रपति ने आश्वासन दिया कि युद्ध बहुत जल्द समाप्त हो जाएगा। रिपब्लिकन सांसदों को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा कि अमरीका को कुछ बहुत ही दुष्ट लोगों से छुटकारा पाने के लिए ईरान में एक अल्पकालिक सैन्य अभियान में शामिल होना पड़ा। उन्होंने आगे कहा कि हमने कई मायनों में जीत हासिल कर ली है, लेकिन अभी यह जीत पर्याप्त नहीं है। राष्ट्रपति ट्रंप ने सीबीएस न्यूज से बातचीत में कहा कि युद्ध काफी हद तक पूर्णता की ओर है। हालांकि न्यूयॉर्क पोस्ट को दिए साक्षात्कार में उन्होंने स्पष्ट किया कि ईरान में अमेरिकी सैनिकों को भेजने के निर्णय के संबंध में प्रशासन फिलहाल किसी भी नतीजे पर नहीं पहुंचा है। न्यूयॉर्क पोस्ट से बातचीत में ट्रंप ने ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई के प्रति अपनी नाराजगी व्यक्त की, लेकिन बाद में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि वह उनके स्थान पर किसे देखना चाहते हैं या यह लक्ष्य कैसे हासिल किया जाएगा। एक अन्य मीडिया संस्थान एनबीसी के साथ एक साक्षात्कार में उन्होंने ईरानी तेल हासिल करने की संभावनाओं पर भी चर्चा की और कहा कि निश्चित रूप से लोग इस बारे में बात कर रहे हैं।

मां रेवा पब्लिकेशन एंड प्रिंटर्स
जबलपुर शहर में सबसे कम दामों में
समाचार पत्र के A to Z कार्य का एकमात्र स्थान
प्रिंटिंग
जॉब वर्क
न्यूज पेपर
पीडीएफ
संपर्क करें 7415685293 9589490996 9340553112
68/1 लक्ष्मीपुर विवेकानंद वार्ड, मुस्कान प्लाजा के पीछे, एम आर 4 रोड, उखरी, जबलपुर (मप्र)

गर्मी बढ़ते ही जलाशयों और नर्मदा घाटों पर उमड़ी भीड़, डेंजर जोन में सेल्फी और छलांग से बढ़ा हादसों का खतरा

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। जबलपुर जिले में बढ़ती गर्मी के साथ ही बरगी डेम, हिरन नदी, परियट जलाशय, नर्मदा नदी और रानी अवंती बाई लोधी परियोजना की नहरों के किनारे लोगों की भीड़ लगातार बढ़ने लगी है। गर्मी से राहत पाने के लिए बड़ी संख्या में लोग इन स्थानों पर पहुंच रहे हैं, लेकिन इसके साथ ही लापरवाही भी सामने आ रही है। कई युवा और नाबालिग ह्यडेंजर जोनह्न में खड़े होकर सेल्फी ले रहे हैं और ऊंचाई से पानी में छलांग लगाकर अपनी जान जोखिम में डाल रहे हैं। बरगी डेम के अलावा भेड़ाघाट, न्यू भेड़ाघाट, ग्वारीघाट, तिलवारा और खंदारी जैसे स्थानों पर प्रतिदिन सैलानियों की भीड़ देखी जा रही है। खासतौर पर भेड़ाघाट के धुआंधार जलप्रपात के ऊपरी हिस्से में लोग चट्टानों के बीच खड़े होकर फोटो और सेल्फी लेते नजर आते हैं। कई जगह महिलाएं और बच्चे भी बिना किसी सुरक्षा के पत्थरों के बीच पहुंच जाते हैं, जिससे दुर्घटना का खतरा लगातार बना रहता है। जिले के अधिकांश पिकनिक स्पॉट, जलाशयों और मुख्य नहरों के आसपास फिलहाल सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नजर नहीं आते। तिलवारा, सरस्वती घाट और भेड़ाघाट के धुआंधार क्षेत्र में कई बार नाबालिग बच्चे ऊंची चट्टानों से नदी में छलांग लगाते दिखाई देते हैं। सुबह से शाम तक नर्मदा नदी और अन्य जलाशयों में नहाने वालों की भीड़ लगी रहती है, लेकिन वहां सुरक्षा कर्मियों की कमी चिंता का विषय बनी हुई है। पिछले करीब दस दिनों से भेड़ाघाट क्षेत्र में स्थानीय सैलानियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। गर्मी बढ़ने के कारण लोग शाम के समय बड़ी संख्या में यहां पहुंचकर

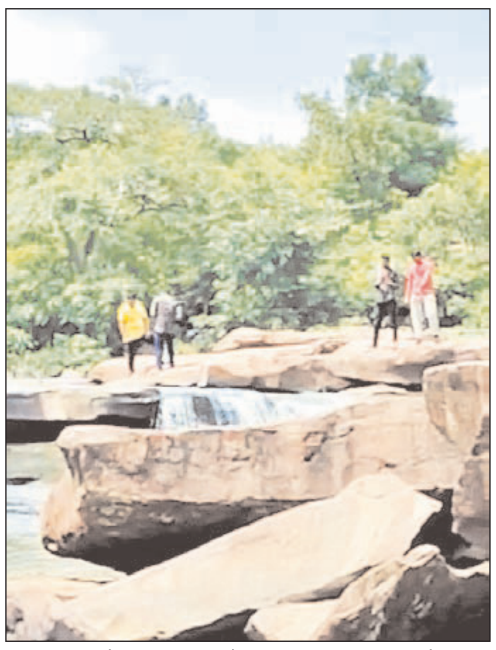

ठंडे पानी और प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद ले रहे हैं। हाल ही में दसवीं, बारहवीं, पांचवीं और आठवीं की परीक्षाएं समाप्त होने के कारण छोटे बच्चे भी अपने परिवार के साथ यहां घूमने और मस्ती करने पहुंच रहे हैं। बरगी डेम और भेड़ाघाट जलप्रपात मध्यप्रदेश ही नहीं बल्कि पूरे देश के प्रमुख पर्यटन स्थलों में शामिल हैं। यहां का धुआंधार जलप्रपात और संगमरमर की विशाल चट्टानें सैलानियों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। नर्मदा नदी का तेज बहाव और चट्टानों के बीच गिरता पानी इस स्थान को बेहद सुंदर और मनमोहक बनाता है, जिसे देखने के लिए देश के विभिन्न हिस्सों से लोग यहां आते हैं।

डेंजर जोन में सेल्फी का बढ़ता चलन

भेड़ाघाट और न्यू भेड़ाघाट क्षेत्र में कई युवक-युवतियां चट्टानों और पानी के बीच खड़े होकर मोबाइल से सेल्फी लेते नजर आते हैं। कई बार मस्ती के दौरान लोग फिसलकर गिर भी जाते हैं। हालांकि अधिकतर मामलों में मामूली चोट लगने के बाद लोग बाहर निकल आते हैं, लेकिन कई बार यह लापरवाही गंभीर हादसे का कारण भी बन सकती है।

चंद पैसों के लिए मौत का खेल

भेड़ाघाट के धुआंधार जलप्रपात क्षेत्र में कुछ युवक सैलानियों के सामने गहरी खाई में छलांग लगाकर उनका मनोरंजन करते हैं। बेहद खतरनाक गहराई में लगाई जाने वाली यह छलांग जानलेवा साबित हो सकती है। छलांग लगाने वाले युवकों का कहना है कि उन्हें इस काम का कई वर्षों का अनुभव है और वे सैलानियों के मनोरंजन के बदले मिलने वाले पैसों से ही अपना जीवनयापन करते हैं। उनके अनुसार एक छलांग के बदले सैलानी 50 से 100 रुपये तक दे देते हैं, जिससे पूरे दिन में वे लगभग 500 से 1000 रुपये तक कमा लेते हैं। हालांकि प्रशासन की ओर से इस तरह की खतरनाक गतिविधियों को रोकने के लिए समय-समय पर चेतावनी दी जाती है, लेकिन इसके बावजूद यह सिलसिला थमता नजर नहीं आ रहा है।

दिल्ली चलो के नारे के साथ संसद घेराव की तैयारी, जबलपुर युवा कांग्रेस की बैठक संपन्न

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। भारतीय युवा कांग्रेस के आह्वान पर 16 मार्च 2026 (सोमवार) को केंद्र की भाजपा सरकार के कथित कुशासन के खिलाफ संसद घेराव किया जाएगा। इस कार्यक्रम में देशभर से युवा कांग्रेस के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बड़ी संख्या में शामिल होंगे। इसी क्रम में जबलपुर शहर युवा कांग्रेस द्वारा एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें संसद घेराव कार्यक्रम को सफल बनाने को लेकर रणनीति तैयार की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि जबलपुर से अधिक से अधिक संख्या में युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता दिल्ली पहुंचकर आंदोलन में भाग लेंगे और केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ आवाज बुलंद करेंगे। बैठक में शहर युवक कांग्रेस के अध्यक्ष सोनू कुकरेले ने कहा कि अन्याय और कुशासन के खिलाफ युवाओं को एकजुट होकर संघर्ष करना होगा। दिल्ली चलो, दिल्ली चलो के संकल्प के साथ कार्यकताओं से बड़ी संख्या में दिल्ली पहुंचकर संसद घेराव आंदोलन को सफल बनाने का आह्वान किया गया। बैठक में अभ्युत बाजपेयी, नितिन सिंह, समीर गढ़वाल, शिशांत सिंह ठाकुर, अंकुर गुप्ता, आदेश चौबे, आयुष पहाड़िया, मोशीन मंसूरी, रोहित रैकवार, आशु दुबे, शुभम अग्रवाल, राघव तिवारी, संजू अहिरवार, राहुल सोनी, विवेक रजक समेत अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

छत से गिरकर 3 साल की मासूम की मौत, परिवार में मातम

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। शहर की साईं कॉलोनी में एक दर्दनाक हादसे में तीन साल की मासूम बच्ची की छत से गिरने के कारण मौत हो गई। घटना के बाद पूरे परिवार में मातम पसर गया है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। हादसे की सूचना मिलते ही माढ़ोताल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार साईं कॉलोनी में रहने वाले साहू परिवार की तीन वर्षीय मासूम पूजा खेलते-खेलते घर की छत से नीचे गिर गई। छत से गिरने के कारण उसके सिर में गंभीर चोट लग गई। परिजनों ने तत्काल बच्ची को गंभीर हालत में मेडिकल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसका उपचार शुरू किया। लेकिन सिर में आई गंभीर चोट के कारण इलाज के दौरान मासूम ने दम तोड़ दिया। माढ़ोताल थाना प्रभारी वीरेन्द्र सिंह पवार ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार बच्ची घर की

छत पर खेल रही थी, इसी दौरान अचानक संतुलन बिगड़ने से वह नीचे गिर गई। फिलहाल पूरे मामले की विस्तृत जांच की जा रही है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि बच्ची किन परिस्थितियों में छत से नीचे गिरी। घटना के बाद साईं कॉलोनी में शोक का माहौल है। पड़ोसी और रिश्तेदार साहू परिवार को सांत्वना देने उनके घर पहुंच रहे हैं।

जश्न की आड़ में असम्मान: मालवीय चौक की प्रतिमा पर चढ़े युवक, सिर पर बैठकर लगाए नारे; वायरल वीडियो ने संस्कारधानी से पूछा कड़ा सवाल

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। क्रिकेट में जीत हुई थी, लेकिन क्या उस जीत का जश्न हमारी संवेदनाओं और संस्कारों को कुचलकर मनाया जाएगा? यह सवाल आज संस्कारधानी जबलपुर के दिल... मालवीय चौक... से उठ रहा है। क्योंकि जिस शहर को अपनी सांस्कृतिक चेतना और मयार्दाओं पर गर्व रहा है, वहीं कुछ युवाओं ने उत्साह के नाम पर एक ऐसी तस्वीर पेश कर दी, जिसने जीत की खुशी के साथ-साथ शर्म का एक अध्याय भी जोड़ दिया। रविवार रात भारतीय क्रिकेट टीम की जीत के बाद शहर में जश्न का माहौल था। जगह-जगह पटाखे फूट रहे थे, बाइक रैलियां निकल रही थीं और जीत के नारे गूंज रहे थे। लेकिन इसी जश्न के बीच कुछ युवक मालवीय चौक पहुंचे और जोश में होश खो बैठे। देश के महान शिक्षाविद, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, पत्रकार और काशी हिंदू विश्वविद्यालय के संस्थापक महामना पंडित मदन मोहन मालवीय की प्रतिमा... जो मालवीय चौक की पहचान है... उसी प्रतिमा के कंधों और सिर पर जूते पहनकर युवक चढ़ गए। कुछ युवक प्रतिमा के सिर के पास बैठकर नारे लगाते और शोर-शराबा करते दिखाई दिए। मौके पर मौजूद एक कारोबारी ने पूरी घटना का वीडियो अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर लिया। यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और शहर भर में चर्चा का विषय बन गया है। दरअसल मालवीय चौक केवल एक चौराहा नहीं है, यह शहर की वैचारिक और राजनीतिक विरासत का प्रतीक रहा है। वर्षों तक यह स्थान छात्र राजनीति, बहस और बौद्धिक विमर्श का केंद्र रहा है। देश की राजनीति में अपनी अलग पहचान बनाने वाले नेता शरद यादव जैसे कई नाम इसी चौक से जुड़ी चचाओं में उभरे। आज भी शाम ढलते ही यहां शहर के वरिष्ठ पत्रकारों, सामाजिक कार्यकताओं और राजनीतिक लोगों की बैठकों में शहर और देश की दिशा पर बहस होती है। लेकिन रविवार रात जो दृश्य सामने आया, उसने इस चौक की गरिमा पर सवाल खड़े कर दिए। वीडियो सामने आने के बाद जनप्रतिनिधियों, अधिवक्ताओं और शहर के बुद्धिजीवियों ने नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि क्रिकेट की जीत पर जश्न मनाना स्वाभाविक है, लेकिन जश्न अगर अपने महापुरुषों की प्रतिमाओं पर चढ़कर मनाया जाए तो वह उत्सव नहीं, असंवेदनशीलता बन जाता है। कई सामाजिक संगठनों और नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि इस तरह की घटनाओं पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि सार्वजनिक स्मारकों और महापुरुषों की प्रतिमाओं की गरिमा बनी रहे। जबलपुर को संस्कारधानी कहा जाता है... यह नाम यूं ही नहीं पड़ा। यह उन परंपराओं, मूल्यों और सामाजिक चेतना की पहचान है जो पीढ़ियों से इस शहर की आत्मा में बसी रही हैं। लेकिन रविवार रात का वायरल वीडियो एक असहज सवाल छोड़ गया है... अगर जश्न हमें अपने महापुरुषों के सिर पर चढ़ा दे, तो समझ लीजिए जीत मैदान में हुई है, लेकिन हार समाज के संस्कारों की हो गई है।

मालवीय चौक पर महामना मालवीय की प्रतिमा पर चढ़कर युवाओं ने मनाया जश्न, वीडियो वायरल होने पर लोगों में आक्रोश

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। शहर के मालवीय चौक स्थित महान शिक्षाविद, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के संस्थापक महामना पंडित मदन मोहन मालवीय की प्रतिमा के साथ की गई अनुचित हरकत का वीडियो सामने आने के बाद शहर में आक्रोश का माहौल बन गया है। भारतीय टीम की जीत के जश्न में कुछ युवकों ने उत्साह में मयार्दा भूलते हुए प्रतिमा पर चढ़कर नारेबाजी की, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। बताया जा रहा है कि रविवार रात भारतीय टीम की जीत के बाद शहर के कई स्थानों पर युवाओं द्वारा जश्न मनाया जा रहा था। इसी दौरान कुछ युवक मालवीय चौक पहुंच गए और उत्साह में आकर उन्होंने सारी मयार्दाएं भूलते हुए पंडित मदन मोहन मालवीय की प्रतिमा पर चढ़कर जश्न मनाना शुरू कर दिया। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि कुछ युवक जूते-चप्पल पहने हुए सीधे प्रतिमा के कंधों और ऊपरी हिस्से पर चढ़ गए और वहीं बैठकर जोर-जोर से नारेबाजी और शोर-शराबा करते नजर आए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार जश्न के दौरान युवकों ने काफी देर तक वहां हंगामा किया। मौके पर मौजूद एक कारोबारी ने पूरी घटना का वीडियो अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर लिया, जो बाद में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो सामने आने के बाद शहर के नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, अधिवक्ताओं और वरिष्ठ पत्रकारों ने इस कृत्य की कड़ी निंदा की है। लोगों का कहना है कि शहर को संस्कारधानी के नाम से जाना जाता है, जहां महान विभूतियों के प्रति सम्मान और मयार्दा की परंपरा रही है। ऐसे में युवाओं द्वारा इस तरह की हरकत करना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। भारत की जीत की खुशी सभी को थी, लेकिन उत्साह में आकर किसी महान व्यक्तित्व की प्रतिमा के साथ इस प्रकार का व्यवहार करना शहर की संस्कृति के खिलाफ है। सामाजिक संगठनों और बुद्धिजीवियों ने भी इस घटना पर नाराजगी जताते हुए कहा है कि यह केवल एक प्रतिमा का अपमान नहीं बल्कि शहर की सांस्कृतिक परंपरा और महान विभूतियों के प्रति अनादर को दर्शाता है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि वीडियो के आधार पर संबंधित युवकों की पहचान कर उनके खिलाफ उचित कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाएं दोबारा न हो सकें।

नशे में युवक ने कीटनाशक पीकर की आत्महत्या की कोशिश, हालत गंभीर

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। नशे की हालत में एक युवक ने आत्महत्या करने के इरादे से कीटनाशक पी लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे गंभीर अवस्था में सिहोरा के शासकीय अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उसका उपचार जारी है। जानकारी के अनुसार ग्राम प्रतापपुर निवासी रंजीत कोल ने नशे की हालत में जहरीला पदार्थ पी लिया। कीटनाशक पीने के कुछ ही देर बाद उसकी तबीयत अचानक बिगड़ने लगी और वह अचेत हो गया। युवक की हालत गंभीर होते देख परिजनों में हड़कंप मच गया। स्थिति को देखते हुए परिजनों ने तत्काल एंबुलेंस की मदद से रंजीत को सिहोरा के शासकीय अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसका उपचार शुरू कर दिया। फिलहाल युवक की हालत गंभीर बताई जा रही है और अस्पताल में उसका इलाज जारी है। परिजनों के अनुसार रंजीत ने यह कदम क्यों उठाया, इसकी स्पष्ट जानकारी अभी तक सामने नहीं आई है। बताया जा रहा है कि युवक नशे की हालत में था और उसी दौरान उसने कीटनाशक पी लिया। होश में आने के बाद ही वह इस संबंध में पूरी जानकारी दे सकेगा। फिलहाल चिकित्सकों की निगरानी में उसका इलाज जारी है और परिजन उसकी हालत को लेकर चिंतित बने हुए हैं।

जबलपुर में कबाड़खानों में कट रहे चोरी के वाहन, यूपी समेत कई जिलों से आ रहा माल

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। शहर में अवैध कबाड़ कारोबार एक बार फिर सुर्खियों में है। उत्तरप्रदेश से चोरी किए जा रहे छोटे-बड़े वाहनों को दलालों के माध्यम से जबलपुर लाकर कबाड़खानों में खुलेआम काटा जा रहा है। आरोप है कि कुछ कबाड़ी अपने रसूख और कथित पुलिस-प्रशासनिक सैटिंग के दम पर इस धंधे को बेखौफ तरीके से चला रहे हैं और रोजाना वाहनों के टुकड़े-टुकड़े किए जा रहे हैं। करीब एक वर्ष पहले पुलिस अधिकारियों ने शहर के कबाड़ कारोबारियों को चोरी के वाहनों की खरीद-फरोख्त और कटाई को लेकर सख्त चेतावनी दी थी। शुरूआती दिनों में पुलिस की सख्ती का असर भी दिखाई दिया, लेकिन समय के साथ कार्रवाई में ढील पड़ते ही कबाड़ियों ने फिर से चोरी के वाहनों को काटने का सिलसिला शुरू कर दिया। जानकारी के अनुसार माढ़ोताल, बेलबाग, ओमती, गोहलपुर, हनुमानताल और अधारताल थाना क्षेत्रों में एक सैकड़ा से अधिक छोटे-बड़े कबाड़खाने सक्रिय हैं। यहां लाखों रुपये कीमत के पुराने और चोरी के वाहनों को काटकर कबाड़ में बदला जा रहा है। सूत्रों का कहना है कि इनमें से कुछ कबाड़ी काफी प्रभावशाली माने जाते हैं और उनके राजनीतिक संपर्कों के कारण प्रशासन भी उन पर कड़ी कार्रवाई करने से बचता नजर आता है।

आसपास के जिलों में बढ़ीं वाहन चोरी की घटनाएं

जबलपुर से सटे लगभग आठ जिलों में अचानक वाहन चोरी की घटनाओं और एफआईआर की संख्या में वृद्धि देखी जा रही है। वाहन चोर घरों, बाजारों और सार्वजनिक स्थानों से पलक झपकते ही दोपहिया वाहन गायब कर देते हैं। हाल के दिनों में कार, जीप और अन्य लोहे से बने सामानों की चोरी की घटनाएं भी सामने आई हैं। बाजार में लोहे की कीमत बढ़ने के कारण चोर अब लोहे से बने सामानों को भी निशाना बना रहे हैं। बताया जाता है कि शहर में सक्रिय कुछ नशेड़ी गिरोह साइकिल और बाइक चोरी कर सीधे कबाड़ मंडियों तक पहुंचा देते हैं। कबाड़ कारोबारी भी कई बार जानते हैं कि उनके पास पहुंचने वाला वाहन चोरी का है, फिर भी उसे खरीद लिया जाता है।

अधारताल की गुजराती कॉलोनी में भीषण अग्निकांड, 10 से अधिक घरों में रखा सामान जलकर राख

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। अधारताल क्षेत्र की गुजराती कॉलोनी में मंगलवार सुबह एक टपरे से शुरू हुई आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। कुछ ही मिनटों में आग आसपास के घरों तक फैल गई और कॉलोनी में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आग की तेज लपटें और धुएं का गुबार उठते देख स्थानीय लोग घबराकर अपने घरों से बाहर निकल आए और किसी तरह अपने परिवार को सुरक्षित स्थान पर ले जाने में जुट गए। इस घटना से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सुबह के समय कॉलोनी के एक टपरे से अचानक धुआं और आग की लपटें उठती दिखाई दीं। देखते ही देखते आग ने पास के घरों को अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया। कॉलोनी में कई घर एक-दूसरे से सटे होने के कारण आग तेजी से फैलती चली गई। आग की सूचना मिलते ही नगर निगम की फायर ब्रिगेड को जानकारी दी गई, जिसके बाद दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने स्थानीय लोगों की मदद से कड़ी

मशक्कत करते हुए आग पर काबू पाया। आग पर नियंत्रण पाने में काफी समय लगा, क्योंकि कई घरों में ज्वलनशील सामग्री रखी हुई थी। जानकारी के मुताबिक गुजराती कॉलोनी में रहने वाले अधिकांश परिवार पुराने कपड़ों के व्यापार से जुड़े हुए हैं। कई परिवार अपने घरों में ही पुराने कपड़ों का भंडारण कर रखते हैं। आग लगने के कारण घरों में रखा बड़ी मात्रा में कपड़ा पूरी तरह जलकर नष्ट हो गया। इसके अलावा घरेलू सामान, फर्नीचर और अन्य जरूरी वस्तुएं भी आग में जल गईं। आग की चपेट में आने से करीब 10 से अधिक घरों को भारी नुकसान पहुंचा है। अग्निकांड के बाद प्रभावित परिवारों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। जिन घरों में कपड़ों का कारोबार होता था, वहां रखा पूरा माल जल जाने से परिवारों को लाखों रुपये के नुकसान का सामना करना पड़ा है। घटना के बाद कॉलोनी में लोगों की भीड़ जमा हो गई और हर कोई आग से हुए नुकसान को देखकर चिंतित नजर आया। नगर निगम की टीम मौके पर पहुंचकर आग से हुए नुकसान का आकलन करने में जुट गई है। वहीं अधारताल पुलिस ने भी घटना की जांच शुरू कर दी है और स्थानीय लोगों से पूछताछ कर आग लगने के कारणों की जानकारी जुटाई जा रही है। प्रारंभिक तौर पर शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई जा रही है, हालांकि पुलिस और प्रशासन पूरे मामले की विस्तृत जांच कर रहे हैं। राहत की बात यह रही कि इस भीषण अग्निकांड में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन कई परिवारों का आशियाना और रोजी-रोटी का सहारा आग में जलकर खाक हो गया। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि प्रभावित परिवारों को जल्द से जल्द राहत और सहायता उपलब्ध कराई जाए।

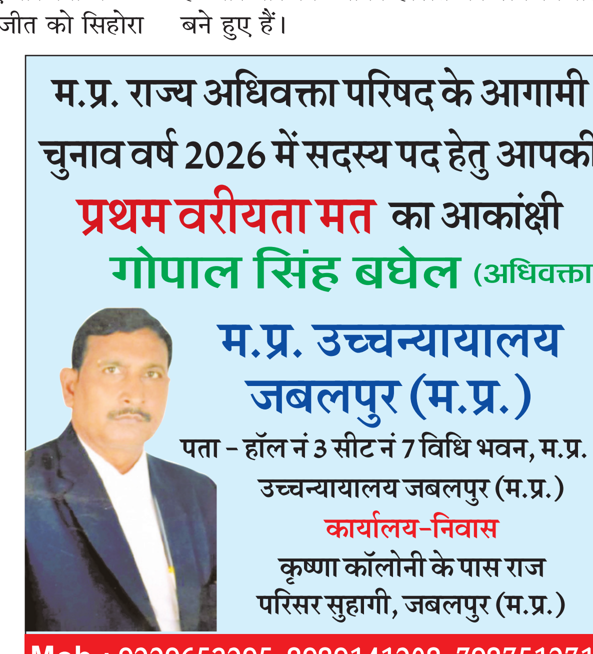

राजनैतिक गतिविधियों में शामिल होने पर नप के प्रभारी लेखापाल राजेश मिश्रा हटाए गए, शहडोल कार्यालय अटैच

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। मध्यप्रदेश शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास संचालनालय ने अनुशासनहीनता और सरकारी नियमों के उल्लंघन के मामले में कड़ा रुख अपनाते हुए अनूपपुर जिले की नगर परिषद बनगवां (राजनगर) में पदस्थ प्रभारी लेखापाल राजेश मिश्रा को तत्काल प्रभाव से उनके पद से हटा दिया है। उन्हें संभागीय कार्यालय नगरीय प्रशासन एवं विकास, शहडोल संभाग से अटैच कर दिया गया है। आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास द्वारा जारी आदेश के अनुसार राजेश मिश्रा (मूल पद राजस्व उप निरीक्षक) पर शासकीय सेवा में रहते हुए सक्रिय रूप से राजनीतिक गतिविधियों में शामिल रहने, लेखा नियमों के विरुद्ध कार्य करने और वरिष्ठ अधिकारियों के आदेशों की अनदेखी करने जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं। इन आरोपों को गंभीरता से लेते हुए विभाग ने तत्काल कार्रवाई की है। जारी आदेश में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि राजेश मिश्रा को नगर परिषद बनगवां से तत्काल प्रभाव से हटाकर संभागीय कार्यालय नगरीय प्रशासन एवं विकास, शहडोल में संलग्न (अटैच) किया जाता है। आदेश जारी होते ही इसे प्रभावी माना गया है। बताया जा रहा है कि राजेश मिश्रा वर्ष

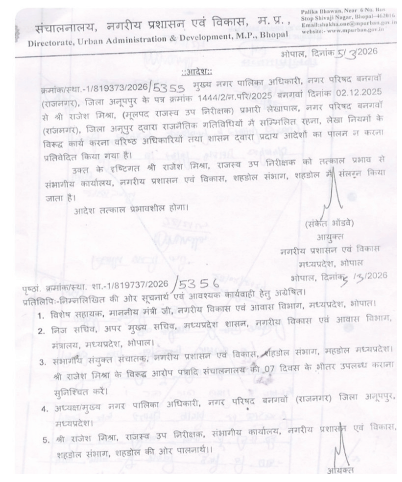

2008 से ग्राम पंचायत और बाद में नगर परिषद में लंबे समय से पदस्थ थे। स्थानीय स्तर पर उनके प्रभाव और राजनीतिक दखल को लेकर कई बार शिकायतें भी सामने आई थीं। विभाग की इस कार्रवाई के बाद परिषद के अन्य कर्मचारियों और अधिकारियों के बीच भी हलचल मच गई है। मामला यहीं समाप्त नहीं हुआ है। आयुक्त ने संभागीय संयुक्त संचालक, शहडोल को निर्देश दिए हैं कि राजेश मिश्रा के विरुद्ध आरोप पत्र तैयार कर सात दिनों के भीतर संचालनालय को उपलब्ध कराया जाए। इससे संकेत मिलते हैं कि विभागीय जांच के बाद उनके खिलाफ और भी कड़ी कार्रवाई हो सकती है।

क्या कहते हैं अधिकारी

नगर परिषद से भारमुक्त होने के बाद ही उन्हें संभागीय कार्यालय में अटैच किया जाएगा। यदि ऐसा नहीं हुआ है तो संबंधित सीएमओ से तत्काल बात कर आवश्यक कार्रवाई कराई जाएगी।

आर.पी. मिश्रा, संयुक्त संचालक, नगरीय प्रशासन एवं विकास, शहडोल

जिला प्रभारी मंत्री का भ्रमण कार्यक्रम

दैनिक रेवांचल टाइम्स उमरिया। प्रदेश के अनुसूचित जाति कल्याण तथा जिला प्रभारी मंत्री नागर सिंह चौहान एक दिवसीय भ्रमण पर 12 मार्च को उमरिया आयेंगे। श्री चौहान 11 मार्च को इंदौर बिलासपुर से इंदौर से प्रस्थान कर 12 मार्च को प्रातः 8.30 बजे उमरिया रेल्वे स्टेशन पहुंचेगे जहां से सर्किट हाउस उमरिया के लिए रवाना होगे। श्री चौहान प्रातः 10.30 बजे जिला कोर कमेटी की बैठक सर्किट हाउस में लेंगे। दोपहर 1 बजे ग्राम पंचायत गोपालपुर में अटल पंचायत सेवा सदन नवीन पंचायत भवन का लोकार्पण करेंगे तथा खंड स्तरीय संकल्प से समाधान शिविर के समापन कार्यक्रम तथा बोरी बंधान कार्यक्रम में भाग लेंगे।श्री चौहान सायं 4.30 बजे उमरिया से भोपाल के लिए प्रस्थान करेंगे।

हरे-भरे जंगलों में आग की साजिश, पर्यावरण पर मंडरा रहा खतरा, 8 10 एकड़ वनभूमि आग की चपेट में,

कपिला संगमझ्झजमुना दादर क्षेत्र का मामला

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। प्रमुख पर्यटन एवं धार्मिक तीर्थ स्थल पवित्र नगरी अमरकंटक के हरे-भरे वन क्षेत्रों में इन दिनों अज्ञात तत्वों द्वारा आग लगाए जाने की घटनाएं चिंता का विषय बनती जा रही हैं। लगातार लग रही आग से अमरकंटक की प्राकृतिक सुंदरता, पर्यावरण तथा जैव विविधता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अमरकंटक नगर परिषद के वार्ड क्रमांक 8 स्थित कपिला संगमझ्झजमुना दादर क्षेत्र के जंगल में मंगलवार प्रातः लगभग 10 बजे अज्ञात लोगों द्वारा आग लगा दी गई। देखते ही देखते आग फैलकर लगभग 8 से 10 एकड़ वनभूमि को अपनी चपेट में ले गई। इस दौरान क्षेत्र में उगे नवोदित पौधे, सूखी ाड़ियां तथा वृक्षों के कुछ हिस्से जलकर नष्ट हो गए। स्थानीय नागरिकों के अनुसार इससे पहले भी दो-तीन दिन

पूर्व इसी क्षेत्र के जंगल में आग लगने की घटना सामने आई थी, जिसे बड़ी मुश्किल से बुाया जा सका था। बार-बार हो रही ऐसी घटनाओं से अमरकंटक की हरी-भरी वादियां प्रभावित हो रही हैं और नगर के पर्यावरण पर भी इसका विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। जंगलों में लगने वाली आग से वातावरण में धुआं फैल रहा है, जिससे प्रदूषण बढ़ने के साथ-साथ क्षेत्र के तापमान में भी वृद्धि देखी जा रही है। बताया जा रहा है कि जिस क्षेत्र में आग लगी, वह भूभाग वन विभाग और स्थानीय नगर परिषद की सीमा से जुड़ा हुआ है। ऐसे में आग बुाने और रोकथाम को लेकर दोनों विभागों के बीच जिम्मेदारी को लेकर स्पष्टता नहीं दिखाई दी। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते समन्वय के साथ त्वरित कार्रवाई की जाती तो आग को फैलने से रोका जा सकता था। क्षेत्रीय नागरिकों और पर्यावरण प्रेमियों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि अमरकंटक के जंगलों में जानबूकर आग लगाने वाले तत्वों की पहचान कर उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए। साथ ही वन विभाग एवं नगर परिषद की जिम्मेदारी तय करते हुए ऐसी घटनाओं की रोकथाम के लिए प्रभावी व्यवस्था बनाई जाए, ताकि पवित्र नगरी अमरकंटक की हरियाली और प्राकृतिक सौंदर्य सुरक्षित रह सके।

कांग्रेस राष्ट्रीय सचिव व सहप्रभारी म.प्र. डॉ चंदन यादव का जिले में 2 दिवसीय दौरा संपन्न, की पत्रकार वार्ता

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनुपपुर। कोतमा व अनूपपुर विधानसभा में पंचायत/वार्ड समिति कमेटी गठन प्रक्रिया में हुए शामिल एवं ब्लॉक/मंडलम अध्यक्षों की बैठक लेकर पंचायत/वार्ड कमेटी गठन प्रक्रिया की समीक्षा, जिला कांग्रेस समन्वय समिति की बैठक में हुए शामिल तथा जिला कांग्रेस कार्यालय में की पत्रकार वार्ता। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव व मध्यप्रदेश कांग्रेस सहप्रभारी डॉ चंदन यादव अनूपपुर जिले के 2 दिवसीय दौरे पर रहे। इस दौरान उन्होंने अनूपपुर एवं कोतमा विधानसभा क्षेत्र के ब्लाकों में वर्तमान ब्लॉक अध्यक्ष व प्रस्तावित मण्डलम अध्यक्षों के साथ बैठक कर पंचायत/वार्ड कमेटी गठन प्रक्रिया की समीक्षा की और कुछ पंचायतों में स्वयं उपस्थित होकर, बैठक कर पंचायत कमेटी का गठन कराया। सर्वप्रथम दिनांक 9 मार्च को डॉ चंदन यादव के जिला अनूपपुर आगमन पर जिलाध्यक्ष गुड्डू चौहान के अगुवाई में उनका भव्य स्वागत किया गया। तत्पश्चात जिला कांग्रेस कार्यालय अनूपपुर में विधानसभा क्षेत्र के तीनों ब्लॉक अध्यक्ष गुलाब पटेल, रजन राठौर, नरेंद्र सिंह मुन्ना एवं प्रस्तावित मण्डलम अध्यक्षों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की गई, जिसमें पंचायत/वार्ड कमेटी गठन की समीक्षा के साथ साथ डॉ चंदन यादव द्वारा आवश्यक दिशा निर्देश दिये गए। इसके बाद जिलाध्यक्ष गुड्डू चौहान के साथ सहप्रभारी डॉ चंदन यादव कोतमा विधानसभा के लिए रवाना हो गए। कोतमा विधानसभा क्षेत्र के राजनगर ब्लॉक के फुलकोना पंचायत पहुंच पंचायत कमेटी गठन प्रक्रिया

में शामिल हुए और स्वयं संपूर्ण बैठक में उपस्थित रहकर पंचायत कमेटी का गठन कराया। इसके बाद कोतमा वार्ड क्रमांक 09 सामुदायिक भवन में आयोजित बैठक में ब्लॉक अध्यक्ष नीलेश पाण्डेय, जयकुमार छड़ी, राहुल सिंह परिहार एवं प्रस्तावित मण्डलम अध्यक्षों के साथ महत्वपूर्ण चर्चाकर पंचायत/वार्ड कमेटी गठन की समीक्षा की और उपस्थित जनों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। वहीं दूसरे दिन शुरूआत करते हुए तय कार्यक्रम अनुसार दिनांक 10 मार्च को जिला कांग्रेस कार्यालय अनूपपुर में सुबह 10 बजे से आयोजित जिला कांग्रेस समन्वय समिति की बैठक में शामिल हुए। जहां उन्होंने समन्वय समिति के सदस्यों के साथ बात कर संगठन सृजन अभियान के तहत मिली जिम्मेदारियों को समीक्षा की और जल्द ही सभी कार्यों को पूर्ण करने के निर्देश दिये। तत्पश्चात जिला कांग्रेस भवन में दोपहर 1 बजे से पत्रकार वार्ता का भी आयोजन किया गया। जिसमें उपस्थित पत्रकारगणों का संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष गुड्डू चौहान ने सभी को डॉ चंदन यादव से मुखातिब कराया। डॉ चंदन यादव ने समस्त पत्रकारगणों को संबोधित करते हुए बताया कि मेरा अनूपपुर जिले दूसरा दौरा है पहले दौरे में मैं आप लोगों से रूबरू नहीं हो पाया था इस बार आपके समक्ष हूँ। संगठन सृजन अभियान मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के तहत जिलाध्यक्षों की नियुक्ति हो चुकी है ब्लॉक अध्यक्षों की नियुक्ति की जा चुकी है, मंडलम अध्यक्षों की नियुक्ति की जा रही है, अब हम लोग पंचायत/वार्ड कांग्रेस कमेटी के गठन की ओर आगे बढ़ रहें है। अनूपपुर जिले के 277 पंचायत और 153 वार्डो में कमेटियों का गठन किया जायेगा, जिसमें कुछ पंचायतों/वार्डों में गठन हुआ भी है। कांग्रेस पार्टी के संगठन सृजन अभियान के तहत पंचायत व वार्ड कमेटी गठन से पंचायत और वार्ड भी मजबूत होगा, इसी संबंध आज जिला कांग्रेस के समन्वय समिति की बैठक भी हुई, जहां उपस्थित सदस्यों से जिला कांग्रेस आगामी व पूर्व में हो चुके कार्यक्रमों के सम्बन्ध में चर्चा हुई। सभी सदस्यों को दिनांक 20 मार्च तक जिले के सभी 277 पंचायत व 153 वार्डो में कमेटी गठन करने का टास्क दिया गया।

गणेश सराफ भूमि विवाद में अदालत ने पार्षद अभिषेक सराफ विपक्ष में दिया फैसला

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। नगर के वार्ड क्रमांक 8 स्थित बहुचर्चित भूमि विवाद मामले में अदालत ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए अपीलकर्ता गणेश प्रसाद सराफ के पक्ष में निर्णय दिया है। इस मामले में वार्ड क्रमांक 2 के पार्षद अभिषेक सराफ के पिता स्वर्गीय राजेश सोनी निचली अदालत का फैसला न्यायालय में टिक नहीं सका और अदालत ने उसे अस्वीकार कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार कोतमा नगर के वार्ड क्रमांक 8 में स्थित करोड़ों रुपये मूल्य की भूमि को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। इस मामले में वार्ड क्रमांक 2 निवासी गणेश प्रसाद सराफ, पिता स्वर्गीय रामाधार सराफ ने न्यायालय में अपील दायर की थी। इस अपील पर सुनवाई करते हुए अतिरिक्त जिला न्यायाधीश विक्रम सिंह की अदालत ने उपलब्ध दस्तावेजों और साक्ष्यों के आधार पर विस्तृत निर्णय दिया। न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत दस्तावेजों में 02 अप्रैल 2019 का इकरारनामा, वर्ष 1958-59 की खसरा-खतौनी, वर्ष 2021 की रजिस्ट्री सहित अन्य राजस्व अभिलेख शामिल थे। इन दस्तावेजों के आधार पर अदालत ने माना कि विवादित भूमि पर स्वामित्व एवं कब्जा गणेश प्रसाद सराफ का है। न्यायालय ने अपने निर्णय में यह भी उल्लेख किया कि संबंधित भूमि खसरा नंबर 1291 के अंतर्गत आती है और उसका क्षेत्रफल लगभग 64,688 वर्गफुट बताया गया है। अदालत में प्रस्तुत तथ्यों के अनुसार उक्त भूमि पर पूर्व में लंबे समय तक विद्यालय का संचालन भी किया जाता रहा था। दस्तावेजों से यह भी स्पष्ट हुआ कि भूमि के संबंध में पूर्व में हुए इकरारनामे और राजस्व अभिलेखों में भी गणेश प्रसाद सराफ को ही भूमि का स्वामी और कब्जेदार माना गया है। अतिरिक्त जिला न्यायाधीश की अदालत ने अपने निर्णय में कहा कि अपीलकर्ता द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज प्रमाणिक और सुसंगत हैं, जबकि वादी पक्ष अपने दावे को पर्याप्त रूप से सिद्ध नहीं कर सका। इसी आधार पर न्यायालय ने वादी का दावा निरस्त करते हुए मामला गणेश प्रसाद सराफ के पक्ष में पारित कर दिया।

पीआरटी कॉलेज ऑफ नर्सिंग का शत-प्रतिशत परिणाम, छात्राओं ने किया महाविद्यालय का नाम रोशन

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। नगर में संचालित पीआरटी कॉलेज ऑफ नर्सिंग, अनूपपुर के बीएससी नर्सिंग सत्र 2021झ्22 बैच के द्वितीय वर्ष का परीक्षा परिणाम इस वर्ष शत-प्रतिशत रहा। महाविद्यालय के सभी विद्यार्थियों ने सफलता प्राप्त कर संस्थान का नाम गौरवान्वित किया। उत्कृष्ट परिणाम के साथ ही छात्राओं ने अपनी मेहनत, लगन और अनुशासन का परिचय देते हुए महाविद्यालय के शैक्षणिक स्तर को भी नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। जारी परिणाम के अनुसार संजना यादव, पिता सुरेश प्रसाद, ने 79 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं अंकिता साकेत, पिता राजूलाल, ने 78.14 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान हासिल किया। इसके साथ ही गोमती देवी चंद्रा, पिता दिलीप कुमार, ने 78 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। इन तीनों छात्राओं की इस उपलब्धि से महाविद्यालय परिवार में हर्ष का वातावरण है। महाविद्यालय के प्राचार्य एवं शिक्षकों ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की मेहनत, नियमित अध्ययन और शिक्षकों के मार्गदर्शन के कारण ही यह उत्कृष्ट परिणाम संभव हो पाया है। महाविद्यालय में विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ अनुशासन, सेवा भावना और व्यावसायिक कौशल का प्रशिक्षण भी दिया जाता है, जिससे वे भविष्य में एक कुशल और संवेदनशील नर्स के रूप में समाज की सेवा कर सकें। इस अवसर पर महाविद्यालय के संचालक डॉ. देवेंद्र कुमार तिवारी ने सभी विद्यार्थियों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत और शिक्षकों के समर्पण का परिणाम है।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में 60 आवेदको की सुनी समस्याएं

दैनिक रेवांचल टाइम्स उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने साप्ताहिक जनसुनवाई कार्यक्रम में जिले के दूर दराज क्षेत्रों से आए 60 आवेदकों की समस्याओं को सुना तथा समस्याओं के निराकरण के लिए आवेदन संबंधित विभाग की ओर प्रेषित किया। जनसुनवाई में अर्जुन सिंह बंधवाटोला ने विवाह सामाजिक सुरक्षा सहायता की राशि दिलाने,नीलू साहू ग्राम बिलासपुर ने पुत्र ऋषभ का विकलांगता प्रमाण पत्र बनवाने,कमलेश बैगा ग्राम देवरी ने मृतक राज कुमार की मौत होने पर सहायता राशि दिलाने,धर्मदास सिंह ग्राम कुठुलिया ने दोबारा फौती नामांतरण कराने,राघवेन्द्र सिंह ग्राम डोंगरीटोला ने सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटाने, निजी कृषि भूमि तक मार्ग दिलाए जाने,धमेन्द्र कुमार राय ग्राम बरबसपुर ने एक वर्ष से रूकी प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि राशि दिलाने,सीमा कोल पाली ने लाडली बहना योजना का लाभ दिलाने संबंधी आवेदन किया ।

अवैध रेत उत्खनन व परिवहन पर कार्यवाही, ट्रैक्टर-ट्राली सहित रेत जप्त

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम लखनपुर के छपरा धार नाला से एक ट्रैक्टर-ट्राली द्वारा अवैध रेत उत्खनन कर उसे बिक्री के उद्देश्य से ग्राम बसोहरा ले जाया जा रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए थाना जयसिंहनगर पुलिस द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुए मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की गई। पुलिस को देखकर ट्रैक्टर चालक वाहन छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया। मौके पर खड़े ट्रैक्टर-ट्राली की जांच करने पर पावर ट्रैक्टर क्रमांक टढ 18अइ 3696 में लगभग 03 घन मीटर अवैध रेत लोड पाई गई, जिससे पानी टपक रहा था। मौके पर उपस्थित ट्रैक्टर स्वामी रमेश गुप्ता निवासी लखनपुर से उक्त रेत के संबंध में दस्तावेज चाहे गये जो कोई वैध दस्तावेज नही होना बताया तथा रेत छपरा धार नाला से उत्खनन कर बिक्री के लिए ले जाई जा रही थी। उक्त कृत्य धारा बीएनएस एवं खान एवं खनिज अधिनियम के अंतर्गत दण्डनीय पाए जाने से पुलिस द्वारा ट्रैक्टर-ट्राली सहित 03 घन मीटर अवैध रेत (कुल कीमत लगभग 4,03,000 रुपये) जप्त की गई। प्रकरण में आरोपी रमेश गुप्ता पिता स्व. तीरथ प्रसाद गुप्ता उम्र 38 वर्ष निवासी लखनपुर एवं चालक हीरालाल बैगा पिता छोटेलाल बैगा निवासी बसोहरा थाना जयसिंहनगर के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। जप्तशुदा ट्रैक्टर-ट्राली को थाना परिसर में सुरक्षित खड़ा कराया गया है।

623 परीक्षा केंद्रो के माध्यम से 25640 परीक्षार्थी होगे सम्मिलित

दैनिक रेवांचल टाइम्स उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने बताया कि उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम अंतर्गत 14 मार्च को प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक मूल भूत साक्षरता एवं संख्यात्मकता मूल्यांकन परीक्षा आयोजित होगी। परीक्षा के लिए 263 परीक्षा केंद्र बनाए गए है जिसके माध्यम से 25640 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल होगे।उन्होने बताया कि परीक्षा तीन घंटे कि होगी । परीक्षा तिथि मे परीक्षार्थी अपनी सुविधानुसार परीक्षा केंद्र में आ सकते है। नवसाक्षरो को परीक्षा केंद्र तक लाने मे अक्षर साथी, सामाजिक संस्थाओ,वरिष्ठ नागरिको,एन एस एस,एन सी सी,भारत स्काउट गाइड, नेहरू युवा केंद्र,जन शिक्षण संस्थान के छात्र छात्राएं एवं अन्य का सहयोग लिया जा सकता है।

धूमधाम से मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस, प्रतिभाओं और संगठनों का हुआ सम्मान

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर स्थानीय विधि महाविद्यालय शहडोल के सभागार में एक भव्य गरिमामयी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन 'बढ़ते कदम परंपरागत संस्कृति एवं साहित्य शोध समिति' तथा 'सहकार भारती' शहडोल के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ, जिसमें जिले की महिला शक्तियों, सामाजिक संगठनों और विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित कर प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण ग्राम चोरमरी (ब्लॉक गोहपारू) की

सांस्कृतिक टीम रही। सरदारी लाल कोल के नेतृत्व में कलाकारों ने पारंपरिक शैला नृत्य, दुलदुल घोड़ी नृत्य और फाग की मनमोहक प्रस्तुति दी। मांदर और नगड़िया जैसे पुरातन वाद्य यंत्रों की थाप पर पूरी सभा झूम उठी, जिसने विंध्य की समृद्ध लोक संस्कृति को जीवंत कर दिया।इस अवसर पर हमारे नगर की गौरव कुमारी ऋषिता अग्रवाल (सुपुत्री संदीप अग्रवाल) एवं शक्ति चतुर्वेदी पिता राजेश चतुर्वेदी को छत्तीसगढ़ राज्य में न्यायाधीश के पद पर नियुक्त होने पर विशेष रूप से सम्मानित किया गया। जिले के विभिन्न महिला संगठनों द्वारा किए गए उत्कृष्ट सामाजिक कार्यों के लिए उन्हें स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। जिसमें प्रथम स्थान इनर व्हील क्लब शहडोल को एवं द्वितीय स्थान दिव्य मुस्कान क्लाब शहडोल तृतीय स्थान वैश्य महिला मण्डल शहडोल एवं चतुर्थ स्थान में विशेष बात यह रही कि पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए सम्मानित संस्थाओं को गमले और फलदार, छायादार तथा पुष्पों के पौधों का वितरण किया गया। राज्य मंत्री दिलीप जयसवाल ने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश के सर्वांगीण विकास में महिलाओं का अमूल्य योगदान है। उन्होंने आजीविका मिशन, स्व-सहायता समूहों और लघु कुटीर उद्योगों के माध्यम से महिलाओं द्वारा किए जा रहे आर्थिक उन्नयन की मुक्त कंठ से सराहना की।

संपादकीय

इंडिया ही विश्व चैंपियन

दरअसल क्रिकेट की टीम इंडिया ही विश्व चैंपियन है। चाहे टी-20 क्रिकेट हो या महिलाओं की एकदिनी क्रिकेट हो अथवा अंडर-19 की दोनों लैंगिक क्रिकेट हो या दृष्टिबाधित महिला टी-20 विश्व खिताब हो और अंततः चैम्पियंस ट्रॉफी का खिताब हो, टीम इंडिया ही क्रिकेट की स्वाभाविक विश्व चैम्पियन है। ये तमाम वैश्विक खिताब टीम इंडिया की झोली में हैं। बेशक यह टीम करिश्माई और कमाल की है। टीम इंडिया ने टी-20 विश्व कप लगातार दूसरी बार जीता है। वह इकलौती टीम है। अपनी घरेलू जमीन पर, मेजबानी करते हुए, वह एकमात्र विश्व विजेता है। टी-20 के कुल तीन विश्व खिताब (2007, 2024, 2026) जीतने वाली टीम इंडिया ही इकलौती टीम है। विश्व चैम्पियन रही टीमों को धराशायी इसी टीम ने किया। विश्व कप फाइनल का अभी तक का सर्वोच्च स्कोर, 255/5 रन, भी टीम इंडिया के हिस्से दर्ज हो गया। ह्वप्लेयर ऑफ दि टूनामेंटह्ल संजू सैमसन रहे, जिन्होंने 321 रन बनाए। लगातार तीन अर्द्धशतक ठोंके। ह्वप्लेयर ऑफ दि मैचह्ल बुमराह रहे, जिन्होंने टूनामेंट में कुल 14 विकेट उखाड़े। बुमराह ने फाइनल में सिर्फ 15 रन देकर न्यूजीलैंड के स्थापित 4 बल्लेबाजों को आउट किया और विरोधी टीम को घुटनों पर ला दिया। बुमराह वरुण चक्रवर्ती के साथ ह्वसर्वश्रेष्ठ गेंदबाजह्ल रहे। यकीनन बुमराह ही बुमराह है, जो टीम इंडिया को ईश्वर का ह्वअप्रतिम तोहफाह्ल हैं। उन्हें खेलने का मतलब है कि आप धुरंधर बल्लेबाज हैं। बहरहाल टी-20 का लगातार दूसरी बार विश्व चैम्पियन बनकर टीम इंडिया ने कई ह्वमील-पत्थरह्ल पार किए हैं और स्थापित भी किए हैं। टी-20 विश्व कप में टीम इंडिया के बल्लेबाज इस तरह खेले मानो कोई वीडियो गेम खेल रहे हों! बल्लेबाजों ने टूनामेंट में कुल 106 छक्के उड़ाए, ऐसा करने वाली टीम इंडिया ही है। यकीनन अद्वितीय खेल, अतुलनीय हुनर, शानदार छक्केङ्क! वाकई यह मुख्य कोच गौतम गंभीर समेत सभी कोचों की रणनीति और ह्वशांतह्ल कप्तान सूर्यकुमार यादव के सटीक और सार्थक फैसलों की अद्भुत, अविस्मरणीय, अतुलनीय और बेशकीमती जीत है। देश जश्न में है, नाच रहा है, मिठाइयां खाई जा रही हैं और टीम के हुनर, जज्बे पर गर्व महसूस कर रहा है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री मोदी समेत असंख्य हस्तियों ने बधाइयां दी हैं। यह विश्व चैम्पियन बनना इसलिए भी बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह नई पीढ़ी की युवा टीम इंडिया है। इसमें विराट कोहली, रोहित शर्मा, रवींद्र जडेजा, श्रेयस अय्यर, शुभमन गिल सरीखे विख्यात खिलाड़ी नहीं थे। संजू सैमसन, इशान किशन, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, रिंकू सिंह आदि खिलाड़ी कई मैचों तक पेवेलियन की कुर्सियों पर बैठे रहे। उनका चयन अंतिम एकादश में नहीं किया जाता था। वे ह्ववैकल्पिक खिलाड़ीह्ल थे। संजू को 4 मैच बैठे रहना पड़ा। अंततः विश्व कप में उन्हें मौका मिला, तो उन्होंने गेंद के धुएं उड़ा दिए। चौकों-छक्कों की बौछार से सजी पारियां खेलीं। अभिषेक टूनामेंट में लगातार तीन बार शून्य पर आउट हुए, लेकिन फाइनल में 18 गेंद पर अर्द्धशतक जड़ दिया। बेशक ये नौजवान खिलाड़ी टीम इंडिया के ह्वनगीनेह्ल हैं, लिहाजा इन्हें सजा कर रखना चाहिए। संजू ने 8 छक्कों की 89 रन की पारी फाइनल में खेली, जो विश्व कप क्रिकेट का सर्वोच्च, सर्वश्रेष्ठ निजी स्कोर है। उन्होंने महान विराट कोहली के 77 और 76 रनों के विश्व कप फाइनल के कीर्तिमानों को भी बेहतर किया। यहां सवाल कोच, चयनकताओं और प्रबंधकों की निष्पक्षता, ईमानदारी, पूर्वाग्रही मानसिकता पर है। इस विश्व विजयी उपलब्धि के साथ ही यह सब कुछ बदलना, खत्म होना चाहिए, क्योंकि टीम इंडिया हमारी राष्ट्रीय पहचान भी है। आज टी-20 क्रिकेट में हम दुनिया की ह्वनंबर वनह्ल टीम हैं। यह सर्वोच्चता बरकरार रहनी चाहिए। टीम इंडिया के ये विश्व चैम्पियन खिलाड़ी भी गली-मुहल्ले की क्रिकेट खेल कर इस स्तर तक पहुंचे हैं। आज क्रिकेट से ह्वअजेयह्ल रहने की राष्ट्रीय अपेक्षाएं ऐसी हैं, जैसी ब्राजील वाले अपनी फुटबॉल टीम से करते थे कि उसे खेल में ह्वनंबर दोह्ल भी नहीं होना है। बहरहाल यह ज्यादती और अतिशयोक्ति है, क्योंकि खेल में जीत और हार अपरिहार्य हैं। आज भारत ऐसा देश है, जिसमें क्रिकेट के विश्व चैम्पियनों की पूरी फौज है। उन्हें सलाम और शाबाश! टीम इंडिया को बधाइयों का तांता लग गया है। देशभर में इस जीत पर जश्न मनाए जा रहे हैं।

भारत-अमरीका व्यापार समझौता खटाई में

अमरीका की वैश्विक सद्भावना खोने के नतीजे में, लंबे समय में अमरीका की अर्थव्यवस्था को नुकसान हो सकता है। दुनिया भर के देश अब डॉलर के बजाय अपनी स्थानीय करेंसी में अंतरराष्ट्रीय भुगतान कर रहे हैं। ब्रिक्स जैसे समूह ज्यादा अहम होते जा रहे हैं। अमरीकी सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए विवादित टैरिफ को रद्द कर दिया है और राष्ट्रपति की आर्थिक नीति की आलोचना की है। कोर्ट ने कहा कि कानून आपातकालीन प्रावधानों के तहत राष्ट्रपति को असीमित टैरिफ लगाने का अधिकार नहीं देता है। कोर्ट ने यह फैसला 6-3 के बहुमत से सुनाया। साफ है कि इस फैसले ने डोनाल्ड ट्रंप के दूरगामी टैरिफ एजेंडे पर काफी हद तक विराम लगा दिया है। ट्रंप द्वारा लगाए गए ऊंचे टैरिफ के मद्देनजर भारत सरकार ने अमरीका के साथ एक अंतरिम समझौता करने हेतु कदम बढ़ाया था, उसके लिए एक मसौदे हेतु सहमति दी थी। अमरीकी प्रशासन उस मसौदे से इतर भी कई बातों के बारे में बयानबाजी कर रहा था, जिसके कारण एक ओर भ्रम फैल रहा था और भारत सरकार की भी आलोचना हो रही थी। अब चूंकि सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप के अधिकतर टैरिफ को खारिज कर दिया है, उसके साथ ही भारत द्वारा इस मसौदे के अनुसार अंतरिम समझौते हेतु बातचीत को टाल दिया गया है। माना जा रहा है कि भारत के नीतिकार और व्यापार वाताकार परिस्थिति पर नजर रखे हुए हैं। जब से राष्ट्रपति ट्रंप ने अपनी दूसरी पारी शुरू की है, दुनिया भर में आर्थिक उथल-पुथल मची हुई है। अमरीका समेत पूरी दुनिया राष्ट्रपति ट्रंप के टैरिफ के नखरे झेल रही है। न सिर्फ उनके विरोधी, बल्कि उनके समर्थक भी राष्ट्रपति ट्रंप की पॉलिसी की आलोचना करते दिख रहे हैं।

टैरिफ नीति को राष्ट्रपति ट्रंप की सबसे बड़ी गलती बताया जा रहा है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप के लगाए गए ज्यादातर टैरिफ को रद्द कर दिया है, लेकिन यह समझना जरूरी है कि अमरीका के लिए दुनिया भर के देशों पर ज्यादा टैरिफ लगाना सही क्यों नहीं था। सब जानते हैं कि अमरीका एक उच्च लागत वाली अर्थव्यवस्था रही है। एक समय था जब अमरीका में उद्योग काफी उन्नत और बड़ी संख्या में थे, और फल-फूल रहे थे। कारें, इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रिकल सामान, टेक्सटाइल और केमिकल्स जैसे कई उत्पाद अमरीका में बनते थे। उन दिनों अमरीका में आयात शुल्क काफी ज्यादा थे, जिससे उसके उद्योग काफी सुरक्षित रहते थे और सरकार को अच्छा-खासा राजस्व भी मिलता था। लेकिन, अपने लोगों को सस्ता सामान देने के लिए, अमरीका ने आयात शुल्क को कम करना शुरू कर दिया। लेकिन, धीरे-धीरे अमरीका की दूसरे देशों पर निर्भरता बढ़ती गई, और अमरीका के ज्यादातर उद्योग बंद हो गए। 1995 से, जब विश्व व्यापार संगठन (डब्लूटीओ) बना, तो कम टैरिफ अब स्थायी हो गए। कम टैरिफ वाले आयातों से आखिरकार जनता को बाकी दुनिया से कम कीमत का सामान तो मिला, लेकिन उसके साथ ही अमरीका के उद्योग भी नष्ट हो गए। उत्पादन की ज्यादा लागत के कारण, यह माना जाता था कि अमरीका में मैन्युफैक्चरिंग बिजनेस अब लाभकारी नहीं रहा। शायद इसीलिए राष्ट्रपति ट्रंप को लगता था कि जब टैरिफ ज्यादा थे, तब अमरीका की अर्थव्यवस्था मजबूत थी और तेजी से बढ़ रही थी। लेकिन, यह समझना होगा कि जब अमरीका बाद में औद्योगिक सामान के उत्पादन में पीछे रह गया, तो उसी समय उसने टेक्नोलॉजी उत्पाद, महंगी फार्मास्यूटिकल्स, बौद्धिक संपदा अधिकारों और विशेषज्ञता पूर्ण सेवाओं में भी महारत हासिल की, और दुनिया भर में काम करने वाली अमरीकी कंपनियों से अच्छा-खासा टैक्स और दूसरा राजस्व कमाना जारी रखा। वस्तु उद्योग में गिरावट के बावजूद, अमरीका ने प्रतिरक्षा, हाई टेक्नोलॉजी, बौद्धिक संपदा अधिकार, अंतरिक्ष इत्यादि में अपना वैश्विक दबदबा बनाए रखा। दुनिया भर के देशों को अमरीका की आर्थिक सामरिक और तकनीकी ताकत पर भरोसा बना रहा। 1999 में यूरो के आने के बाद भी, अमरीकी डॉलर ने दुनिया की रिजर्व करेंसी के तौर पर अपना दबदबा बनाए रखा, और वैश्विक रिजर्व करेंसी में डॉलर का हिस्सा लगभग 60 प्रतिशत के आसपास बना रहा। हालांकि, औद्योगिक गिरावट के कारण अमरीका का औद्योगिक रोजगार कम हो गया था, लेकिन इस गिरावट की भरपाई नई कम आमदनियों वाली नौकरियों से हो तो गई, लेकिन अमरीका की आर्थिक ताकत की वजह से, कोई खास पब्लिक गुस्सा नहीं हुआ, क्योंकि सरकार ने कम आय वाले लोगों के नुकसान की भरपाई आर्थिक मदद से कर दी। राष्ट्रपति ट्रंप के दुनिया भर के देशों पर ज्यादा टैरिफ लगाने से उन देशों के नियातों पर कई तरह से असर पड़ा। हालांकि, असल में, इसका असली खामियाजा आम लोगों को भुगतना पड़ा, क्योंकि ज्यादा टैरिफ ने सामान को महंगा कर दिया और इसलिए, आम लोगों की खरीदने की ताकत कम होने लगी। इसके अलावा जैसे-जैसे महंगाई बढ़ रही है, नीतिगत ब्याज दर में बढ़ोतरी का खतरा भी मंडरा रहा है, जिससे अर्थव्यवस्था में मंदी आ सकती है।

राजस्व का भ्रम : टैरिफ में बढ़ोतरी के साथ, कैलेंडर साल 2025 के दौरान, कुल टैरिफ राजस्व लगभग 287 अरब अमरीकी डॉलर तक पहुंच गया, जो पिछले सालों के 70-80 अरब अमरीकी डॉलर से ज्यादा है। लेकिन, अगर हम कुल केंद्रीय (फेडरल) राजस्व में टैरिफ के योगदान पर विचार करें, तो यह अभी भी लगभग 4 से 5 प्रतिशत ही है, जबकि पिछले दशकों में यह आम तौर पर 2 प्रतिशत था। अमरीकी राजस्व का बड़ा हिस्सा व्यक्तिगत आय कर, कॉर्पोरेट आय कर और सामाजिक सुरक्षा योगदान वगैरह से आता है। हालांकि टैरिफ की वजह से कुल राजस्व थोड़ा बढ़ा है, लेकिन इन टैरिफ की कुल सामाजिक लागत बहुत ज्यादा और अहम है, क्योंकि अमरीकी मार्केट में उपभोक्ताओं को जरूरी चीजों के लिए ज्यादा पैसे देने पड़ रहे हैं, जिससे समाज के कमजोर तबके के लोगों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं और सरकारी खजाने पर नुकसान की भरपाई करने का दबाव पड़ सकता है।

वैश्विक गुस्सा और उसके नतीजे : यह ध्यान देने वाली बात है कि जब अमरीका में टैरिफ कम थे और अलग-अलग देश अमरीका को कई तरह का सामान निर्यात करते थे, तो उनका अमरीका की तरफ झुकना स्वाभाविक था। इससे अमरीकी कंपनियों को दुनिया भर के अलग-अलग देशों में अपना बिजनेस बढ़ाने के लिए काफी सद्भावना और मौका मिला। इन कंपनियों ने न सिर्फ वैश्विक स्तर पर लाभ कमाया, बल्कि अपनी बौद्धिक संपदा से अच्छी-खासी रॉयल्टी और अन्य प्रकार से कमाई की। इससे अमरीका में कॉर्पोरेट इनकम टैक्स राजस्व में काफी बढ़ोतरी हुई। आज, यह वैश्विक समर्थन खत्म होने के कगार पर है क्योंकि अमरीका उन देशों को ज्यादा टैरिफ लगाकर सजा दे रहा है। ये देश न सिर्फ दूसरे बाजार ढूंढ रहे हैं, बल्कि अपना रुख अमरीका से हटकर दूसरे देशों की ओर कर रहे हैं। अमरीका की वैश्विक सद्भावना खोने के नतीजे में, लंबे समय में अमरीका की अर्थव्यवस्था को नुकसान हो सकता है। दुनिया भर के देश अब डॉलर के बजाय अपनी स्थानीय करेंसी में अंतरराष्ट्रीय भुगतान कर रहे हैं। ब्रिक्स जैसे समूह ज्यादा अहम होते जा रहे हैं, जिससे अमरीका का भू-राजनीतिक असर कम हो रहा है। हालांकि ट्रंप कानून में बदलाव करके सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलटने की कोशिश कर सकते हैं, और वे ऐसा कानून पास करने की कोशिश कर सकते हैं जिससे राष्ट्रपति को ऐसे टैरिफ लगाने का पूरा अधिकार मिल जाए, क्योंकि कांग्रेस के दोनों सदनों में रिपब्लिकन का बहुमत है, भले ही बहुत कम अंतर से। लेकिन शायद यह मुमकिन न हो, क्योंकि अभी सभी रिपब्लिकन टैरिफ के मुद्दे पर उनका साथ नहीं दे रहे हैं। बहरहाल, असमंजस के चलते ही भारत ने 23 फरवरी को शुरू होने वाली व्यापार वार्ता को आगे टाल दिया है। यानी कुल मिलाकर कह सकते हैं कि अमरीका और भारत के बीच अंतरिम समझौता अब खटाई में पड़ सकता है।

राशिफल

मेष राशि :- कार्य-कुशलता से संतोष तथा मनोबल उत्सावर्धक होगा, कार्य का ध्यान रखें।

वृष राशि :- स्वभाव में खिन्नता होने से हीन भावना से बचिये अन्यथा झगड़ा होगा।

मिथुन राशि :- अशांति तथा विलासिता से बचिये तथा विवाद होने की संभावना है सावधान रहें।

कर्क राशि :- स्त्री वर्ग से भोग-ऐश्वर्य की प्राप्ति होगी, रुके कार्यो से परेशानी होगी, धैर्य रखें।

सिंह राशि :- आलोचनाओं से बचिये, कार्य-कुशलता से संतोष होगा, समय का ध्यान रखें।

कन्या राशि :- धीमी गति में सुधार अपेक्षित होगा तथा सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

तुला राशि :- स्त्री वर्ग से हर्ष-उल्लास, शत्रु वर्ग से चिन्ता होगी, कुटुम्ब की समस्यायें खत्म होंगी।

वृश्चिक राशि :- योजना फलीभूत होगी तथा इष्ट मित्र सुखवर्धक होगा, कार्य अवरोध होगा।

धनु राशि :- मित्रों से सहयोग मिलेगा, रुके कार्य बनेंगे, अधिकारियों का सहयोग मिलेगा।

मकर राशि :- कुटुम्ब में सुख, मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी, बड़े-बड़े लोगों से मेल-मिलाप होगा।

कुंभ राशि :- भाग्य का सितारा प्रबल होगा, दैनिक गति मंद तथा बिगड़े कार्य अवश्य बनेंगे।

मीन राशि :- कार्य व्यवस्था में अनुकूलता बनेगी, समृद्धि के साधन अवश्य बनेंगे।

आया शेर के लिए बना 2.5 एकड़ का स्लम सेट

मुंबई। फिल्म दि पैराडाइज के मेकर्स ने गाना आया शेर के लिए 2.5 एकड़ का स्लम सेट बनाया है। हाल ही में रिलीज हुए फिल्म दि पैराडाइज के गाने आया शेर ने अपनी जबरदस्त एनर्जी और कमाल के विजुअल्स से लोगों को इम्प्रेस कर दिया है। इस गाने के इतने बड़े लेवल और असली दिखने के पीछे एक बड़ी वजह फिल्म के आर्ट डिपार्टमेंट की मेहनत है, जिन्होंने बहुत ही शानदार सेट्स तैयार किए। इन सेट्स में भव्यता के साथ-साथ असलियत का भी पूरा तालमेल बिठाया गया है। सबसे खास सेटअप्स में से एक हीरो हाउस (कमान सेट) है, यह 60 फीट चौड़ा, 45 फीट ऊंचा और 25 फीट गहरा एक विशाल स्ट्रक्चर है, जिसे खास तौर पर हीरो के दमदार डिप वाले सीन के लिए बनाया गया था।

शुरूआत में इसे 30 फीट चौड़ा बनाया गया था, लेकिन बाद में दोनों तरफ 15-15 फीट और बढ़ाकर इसकी चौड़ाई 60 फीट कर दी गई। लगभग 25 वर्कर्स ने करीब 20 दिनों तक मेहनत करके इस बड़े स्ट्रक्चर को तैयार किया, और इसे आसपास के माहौल के साथ एकदम असली दिखाने के लिए खास एजिंग (पुराना दिखाने की) तकनीक का इस्तेमाल किया गया। गाने में एक और अनोखी चीज देखने को मिली है, वो है बिरयानी के बड़े कटोरे जैसा स्ट्रक्चर। इसे तांबे की फिनिश और पुराना लुक दिया गया है जिससे ये एकदम असली और देसी लगे। 10 फीट चौड़ाई, 20 फीट रेडियस और 6 फीट ऊंचाई वाले इस सेटअप को 5-7 लोगों की टीम ने सिर्फ पांच दिनों में तैयार कर दिया था। प्रोडक्शन के लेवल को और बड़ा बनाने के लिए 2.5 एकड़ में फैला वॉटर बॉडी विलेज सेट तैयार किया गया था, जिसमें डमी स्ट्रक्चर्स के बजाय 60 असली घर बनाए गए थे। लगभग 50 वर्कर्स ने 30 दिनों तक मेहनत करके इस गांव को बनाया, जिसे इस तरह डिजाइन किया गया था कि इसमें एक साथ करीब 500 लोग आ सकें। पानी का सीन क्रिएट करने के लिए 100 टैंकर पानी मंगवाया गया, जिसे भरने में सात दिन लगे। साथ ही, पानी जमा करने के लिए 20 फीट गहरा एक अलग तालाब भी बनाया गया था। प्रोडक्शन ने एक बहुत बड़ा डंप यार्ड सेट भी तैयार किया, जो 120 फुट लंबा, 50 फीट चौड़ा और 30 फीट ऊंचा था। 25 लोगों की टीम ने 30 दिनों की मेहनत से इसे बनाया, जिसका मकसद एक असली डंप यार्ड जैसा रस्टिक और पुराना लुक देना था। इन सेट्स की सबसे बड़ी खूबी यह है कि इन्हें कुदरती माहौल को नुकसान पहुँचाए बिना बनाया गया। आर्ट डिपार्टमेंट ने बहुत सावधानी से इन स्ट्रक्चर्स को वहां की जमीन और नजारों के साथ जोड़ा। असलियत दिखाने के लिए नेचुरल टेक्सचर्स और एजिंग (पुराना दिखाने की) तकनीक का जमकर इस्तेमाल किया गया। हर सेटअप की प्लानिंग बहुत बारीकी से की गई थी ताकि काम बिना किसी रुकावट के और क्रिएटिव तरीके से पूरा हो सके। सभी जरूरी मंजूरियां लेने के बाद ही फाइनल कंस्ट्रक्शन किया गया।

अल्फा की रिलीज डेट का ऐलान, सिनेमाघरों में इस दिन आएगी

मुंबई। यशराज फिल्म्स की फिल्म अल्फा 10 जुलाई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यश राज फिल्म्स ने अपनी बहुप्रतीक्षित एक्शन एंटरटेनर अल्फा की थिएट्रिकल रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है।

आलिया भट्ट अभिनीत यह फिल्म अब 10 जुलाई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस घोषणा के साथ ही यश राज फिल्म्स, आलिया भट्ट और शर्वरी ने सोशल मीडिया पर एक बिल्कुल नया टीज? पोस्टर भी साझा किया। इस पोस्टर में आलिया भट्ट का एक नया और बेहद दमदार एक्शन अवतार दिखाई दे रहा है, जिसमें वह चोटों और कट के निशानों से भरी हुई नजर आ रही हैं,मानो किसी खूनखराबे वाली भिड़ंत के बाद की स्थिति हो। अल्फा में आलिया भट्ट के साथ हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की उभरती स्टार शर्वरी नजर आएंगी। यह एक जबरदस्त एक्शन थ्रिलर है, जिसमें अनिल कपूर और बॉबी देओल भी अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म में आलिया और शर्वरी का आमना-सामना बॉबी देओल से होने वाला है, जहां यह दोनों एक क्रूर और तीव्र टकराव में दिखाई देंगी। यह फिल्म आलिया भट्ट की यश राज फिल्म्स के साथ पहली फिल्म है। साथ ही यह भारत की पहली ऐसी महिला-प्रधान पूर्ण एक्शन फिल्म है, जिसमें आलिया और शर्वरी मिलकर ऐसे एक्शन सीक्वेंस करती नजर आएंगी, जैसा दर्शकों ने अब तक किसी अभिनेत्री को बड़े पर्दे पर करते नहीं देखा होगा। अल्फा का निर्देशन शिव रवैल ने किया है, जिन्होंने इससे पहले यश राज फिल्म्स की वैश्विक स्तर पर सफल वेब सीरीज द रेलवे मेन का निर्देशन किया था। इस फिल्म का निर्माण आदित्य चोपड़ा ने किया है।

दो साल बाद भी नहीं छूट रहा शैतान के लड्डुओं का पीछा

नई दिल्ली। अभिनेता अजय देवगन सुपरनेचुरल थ्रिलर फिल्म शैतान के दो साल पूरे होने पर इस उपलब्धि का जश्न हास्य के तडके के साथ मना रहे हैं। अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर सह-कलाकार आर माधवन के साथ चुहल से भरा वीडियो साझा किया है। इसमें उन्होंने फिल्म की खौफनाक कहानी का जिक्र किया। उन्होंने चुटीले अंदाज में कैप्शन में लिखा है कि शैतान और उसके लड्डू पीछा ही नहीं छोड़ रहे हैं मेरा। शैतान के दो साल पूरा होने पर। अपनी सम्मोहक सुपरनेचुरल कहानी के लिए बड़े पैमाने पर सराही गयी इस फिल्म ने अजय देवगन और आर माधवन के बीच अनूठे सहयोग को दशार्या था। मनोवैज्ञानिक प्रपंच और काले जादू के विषयों पर आधारित उनकी ऑन-स्क्रीन प्रतिद्वंद्विता फिल्म के सबसे बड़े आकर्षणों में से एक बनी थी। प्रशंसित गुजराती फिल्म वश की हिंदी रीमेक के रूप में निर्देशित शैतान मनोवैज्ञानिक हॉरर और पारिवारिक ड्रामे का मिश्रण है। जियो स्टूडियोज, अजय देवगन एफफिल्म्स और पैनोरमा स्टूडियोज इंटरनेशनल की प्रस्तुति का निर्माण अजय देवगन, ज्योति देशपांडे, कुमार मंगत पाठक और अभिषेक पाठक ने किया था। फिल्म का संगीत देवी श्री प्रसाद ने दिया था। अजय देवगन के साथ इस फिल्म में ज्योतिका, जानकी बोड़ीवाला और आर माधवन भी प्रमुख भूमिकाओं में थे। फिल्म की कहानी एक परिवार के इर्द-गिर्द घूमती है, जो छुट्टी मनाने के लिए फार्महाउस गये हैं। उनकी शांतिपूर्ण छुट्टियां, तब आतंक में बदल जाती है, जब एक रहस्यमयी अजनबी वहां पहुंचता है और काले जादू के जरिये उनकी बेटी (जानकी बोड़ीवाला) को अपने वश में कर लेता है, जिससे वह अपने ही माता-पिता (अजय देवगन और ज्योतिका) के खिलाफ होने के लिए मजबूर हो जाती है। यह फिल्म 08 मार्च,

2024 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। आने वाले दिनों में अजय देवगन इंद्र कुमार निर्देशित धमाल 4 में नजर आएंगे। इस फिल्म में रितेश देशमुख, अरशद वारसी, संजय मिश्रा, जावेद जाफरी, ईशा गुप्ता, संजीदा शेख, अंजलि आनंद, उपेंद्र लिमये, विजय पाटकर और रवि किशन जैसे कलाकारों की लंबी सूची है। धमाल 4 उस लोकप्रिय कॉमेडी फ्रेंचाइजी को आगे बढ़ाती है, जिसकी शुरूआत इंद्र कुमार निर्देशित और अशोक ठाकरिया निर्मित फिल्म धमाल से हुई थी। वर्ष 2007 में आई मूल फिल्म दर्शकों के बीच कल्ट कॉमेडी बन गई थी।

आज ही बनाएं अपनी खुद की न्यूज वेबसाइट
NEW WEBSITE
बने न्यूज वेबसाइट के मालिक..

सेपर्क करें 7415685293

लंबे समय से एक ही जगह पदस्थ रहने से राजस्व व्यवस्था पर सवाल, बिचौलियों की सक्रियता की चर्चा

सालों से एक ही स्थान पर जमे पटवारी तबादला नीति पर उठे गंभीर सवाल

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी- जिले के राजस्व विभाग में पदस्थ कई पटवारी वर्षों से एक ही स्थान पर जमे हुए हैं। शासन की स्थानांतरण नीति के बावजूद इनका तबादला न होना अब प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रहा है। जानकारी के अनुसार कुछ पटवारी 8 से लेकर 10 वर्षों तक एक ही तहसील और हल्के में पदस्थ हैं, जिससे राजस्व कार्यों की पारदर्शिता और निष्पक्षता पर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि लंबे समय से एक ही स्थान पर पदस्थ रहने के कारण राजस्व कार्यों में कई प्रकार की अव्यवस्थाएं बढ़ गई हैं। नामांतरण, सीमांकन, बंटवारा और प्रमाण पत्र जैसे कार्यों में अनावश्यक देरी की शिकायतें सामने आ रही हैं। ग्रामीणों का कहना है कि राजस्व कार्यालयों के बार-बार चक्कर लगाने के बावजूद काम समय पर नहीं हो पाते।

बिचौलियों की सक्रियता की चर्चा

क्षेत्र में यह भी चर्चा है कि वर्षों से एक ही स्थान पर जमे रहने के कारण राजस्व कार्यों में बिचौलियों की सक्रियता बढ़ गई है। कई ग्रामीणों का कहना है कि बिना बिचौलियों के माध्यम से आवेदन कराने पर काम लंबित रखा जाता है। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है, लेकिन लगातार उठ रही शिकायतों से व्यवस्था पर सवाल जरूर खड़े हो रहे हैं।

स्थानांतरण नीति की अनदेखी

प्रदेश में समय-समय पर स्थानांतरण नीति लागू की जाती है, जिसमें लंबे समय से एक ही स्थान पर पदस्थ कर्मचारियों का स्थानांतरण किया जाना आवश्यक माना जाता है। इसके बावजूद जिले में कई पटवारी वर्षों से एक ही स्थान पर जमे हुए हैं।

प्रशासन की चुप्पी पर सवाल

जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों का कहना है कि यदि समय पर स्थानांतरण नहीं किए गए तो प्रशासनिक निष्पक्षता प्रभावित हो सकती है और आम जनता को परेशानी का सामना करना पड़ेगा। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस मामले में क्या कदम उठाता है।

ग्राम पंचायत गोरखपुर में साढ़े चार लाख के दोहरे भुगतान का आरोप

नर्मदा परिक्रमा पथ और समतलीकरण कार्य में अनियमितता की शिकायत, जांच की उठी मांग

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी - जनपद पंचायत घंसौर अंतर्गत ग्राम पंचायत गोरखपुर में विकास कार्यों के नाम पर सरकारी राशि के दुरुपयोग और दोहरे भुगतान का मामला सामने आया है। आरोप है कि पंचायत में नर्मदा परिक्रमा पथ के आश्रम स्थल पर पौधारोपण एवं फेंसिंग कार्य और पेट्रोल पंप के पीछे समतलीकरण कार्य को अलग-अलग दर्शाकर करीब साढ़े चार लाख रुपये से अधिक की राशि का भुगतान निकाल लिया गया। इस पूरे मामले को लेकर संबंधित अधिकारियों को लिखित शिकायत देकर निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नर्मदा परिक्रमा पथ के आश्रम स्थल पर पौधारोपण एवं फेंसिंग कार्य के लिए 16 अगस्त 2024 को स्वीकृति दी गई थी, जिसमें करीब 2 लाख 36 हजार रुपये खर्च दशार्या गया है। वहीं गोरखपुर में पेट्रोल पंप के पीछे समतलीकरण कार्य के नाम पर कार्य क्रमांक 1737 00 3077 / छऊ/ 22012034591493 के तहत 29 दिसंबर 2024 को बिल प्रस्तुत कर 11 जुलाई 2025 को लगभग 2 लाख 38 हजार रुपये का भुगतान किया गया। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि दोनों कार्यों का जियो टैग और फोटो एक ही स्थान के बताए जा रहे हैं, जिससे दोहरे भुगतान की आशंका जताई जा रही है। शिकायतकताओं का कहना है कि जिस स्थान पर समतलीकरण कार्य दिखाया गया है, वह पथरीला क्षेत्र है और मौके पर किसी प्रकार का वास्तविक समतलीकरण कार्य दिखाई नहीं देता, जबकि कागजों में कार्य पूर्ण दर्शाकर राशि का आहरण कर लिया गया। वहीं नर्मदा परिक्रमा पथ पर पौधारोपण और फेंसिंग कार्य में भी घटिया सामग्री के उपयोग और फर्जी पौधारोपण की आशंका जताई गई है। ग्रामीणों का आरोप है कि कागजों में काम पूरा दिखाकर सरकारी राशि निकाल ली गई, जबकि जमीन पर काम अधूरा या संदिग्ध है। सूत्रों के अनुसार इस मामले की जानकारी पहले भी कुछ अधिकारियों को थी, लेकिन कथित रूप से मामला दबा दिया गया और अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। अब दोबारा लिखित शिकायत दिए जाने के बाद ग्रामीणों और क्षेत्रवासियों की नजर प्रशासनिक जांच पर टिकी हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि निष्पक्ष जांच कराई जाती है तो पंचायत में हुए बड़े स्तर के वित्तीय घोटाले का खुलासा हो सकता है। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस शिकायत पर क्या कार्रवाई करता है और जांच में क्या तथ्य सामने आते हैं।

जिला अस्पताल में आयुष्मान कार्डधारक से सिटी स्कैन के लिए पैसों की मांग, वीडियो वायरल

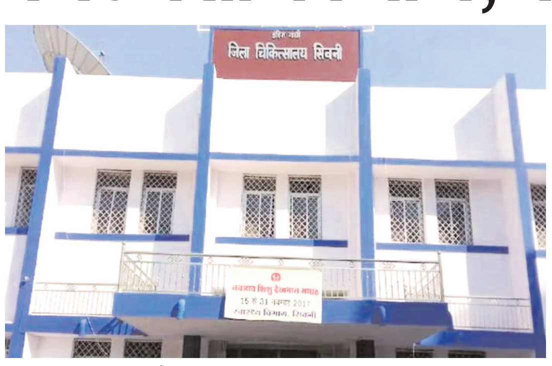

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी- जिला अस्पताल सिवनी में आयुष्मान कार्डधारक मरीज से सिटी स्कैन के लिए पैसे मांगने का मामला मंगलवार को सामने आया है। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें अस्पताल का एक कर्मचारी निशुल्क उपचार योजना के बावजूद मरीज से पैसे मांगता दिखाई दे रहा है।

कंप्यूटर ऑपरेटर पर अवैध वसूली का आरोप

जानकारी के अनुसार एक हितग्राही आयुष्मान भारत योजना के तहत सिटी स्कैन कराने जिला अस्पताल पहुंचा था। आरोप है कि वहां तैनात एक कंप्यूटर ऑपरेटर ने आयुष्मान कार्ड को अमान्य बताते हुए जांच कराने के लिए नकद भुगतान की मांग की। इसी दौरान किसी व्यक्ति ने कर्मचारी द्वारा पैसे मांगे जाने का वीडियो बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

आयुष्मान योजना के नियमों का उल्लंघन

केंद्र और राज्य सरकार की आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत पात्र कार्डधारकों को जिला अस्पतालों में निःशुल्क जांच और उपचार की सुविधा प्रदान की जाती है। ऐसे में अस्पताल में इस प्रकार शुल्क मांगना योजना के नियमों और सरकारी निर्देशों का गंभीर उल्लंघन माना जा रहा है।

दोषियों पर कार्रवाई का आश्वासन

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. जयपाल सिंह ठाकुर ने मामले की पुष्टि करते हुए कहा कि यह प्रकरण उनके संज्ञान में आया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि आयुष्मान कार्डधारकों से किसी भी प्रकार का शुल्क लेना प्रतिबंधित है। सीएमएचओ ने वायरल वीडियो की निष्पक्ष जांच कराने और दोषी पाए जाने वाले कर्मचारी के विरुद्ध कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। फिलहाल इस मामले को लेकर स्वास्थ्य विभाग में हलचल मची हुई है।

मुनिया टांक बने भाजपा जिला मंत्री, कार्यकताओं में उत्साह

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी। भारतीय जनता पार्टी द्वारा संगठनात्मक विस्तार के तहत जिले में नई जिम्मेदारियों का वितरण किया गया है। इसी क्रम में भाजपा ने मुनिया टांक को जिला मंत्री के पद पर नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति से पार्टी कार्यकताओं में उत्साह का माहौल देखा जा रहा है। मुनिया टांक लंबे समय से भारतीय जनता पार्टी से जुड़े हुए हैं और संगठन के विभिन्न कार्यक्रमों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। पार्टी नेतृत्व ने उनकी निष्ठा, सक्रियता और संगठन के प्रति समर्पण को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। जिला मंत्री बनाए जाने पर मुनिया टांक ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे संगठन को मजबूत करने और पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए पूरी निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करेंगे। उनकी नियुक्ति पर निरंजन मिश्रा, नरेन्द्र गुड्डू ठाकुर, मनीष तिवारी, पंजू चौधरी, महेन्द्र शाह मर्सकोले, मुकेश सेन, राजकुमार ठाकुर, अरविंद कुल्हाड़े और मनोज नामदेव सहित अन्य कार्यकताओं ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं। कार्यकताओं ने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में संगठन और अधिक मजबूत होगा।

जिला स्तरीय जनसुनवाई में 190 आवेदन प्राप्त कलेक्टर ने दिए शीघ्र निराकरण के निर्देश

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी- प्रत्येक मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित होने वाली जिला स्तरीय जनसुनवाई मंगलवार को कलेक्टर शीतला पटले की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जनसुनवाई में जिले भर से आए आवेदकों द्वारा विभिन्न समस्याओं से संबंधित कुल 190 आवेदन प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर सुनीता खंडायत सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे, जबकि सभी अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जनसुनवाई से जुड़े। जनसुनवाई में तहसील छपारा के छपारा निवासी धनाराम ने मंदिर प्रांगण में सड़क और नाले पर पुलिया निर्माण की मांग रखी। वहीं तहसील सिवनी के ग्राम बांकी निवासी सालकराम ने भूमि सीमांकन कराने, ग्राम बंडोल निवासी गोपाल प्रसाद बंजारा ने किसान सम्मान निधि की राशि दिलाने तथा ग्राम बींझावाड़ा निवासी सुनील बघेल सहित अन्य ग्रामीणों ने गांव में पानी की समस्या के समाधान के लिए आवेदन दिया। इसी प्रकार ग्राम कमकासुर निवासी राजकुमार सनोडिया ने अवैध अतिक्रमण हटाने, ग्राम बांकी थाना बंडोल निवासी ननहेलाल ने बीपीएल कार्ड बनवाने, केवलारी के स्वामी विवेकानंद वार्ड निवासी सुरेश कुमार साहू ने धारणा अधिकार दिलाने तथा तहसील धनौरा के ग्राम साजपानी निवासी सुकवारों बाई परते ने उपचार के लिए आर्थिक सहायता दिलाने की मांग की। इसके अलावा बरघाट निवासी प्रदीप कुमार भालेकर ने पिता की मृत्यु के बाद पेंशन दिलाने, अशोक वार्ड सिवनी निवासी सियाराम बेलवंशी एवं सोनिया ने प्रोत्साहन राशि, ग्राम पलारी निवासी प्रकाश परियल सहित ग्रामीणों ने नल-जल योजना के अंतर्गत पाइपलाइन बिछाने, ग्राम सिल्लौर निवासी अभिलाष सनोडिया ने मुआवजा राशि तथा ग्राम सरंडी निवासी चिंतामन पारधी ने भूमि खातेदारी ऑनलाइन दर्ज कराने के लिए आवेदन दिया। इसी क्रम में ग्राम दलाल निवासी रामप्रकाश ने विकलांग सहायता, ग्राम डोरली छतरपुर निवासी लक्ष्मीचंद सनोडिया ने राजस्व रिकॉर्ड अपडेट कराने, ग्राम सिहोरा निवासी चंद्रकुमार धुर्वे ने भूमि सीमांकन, ग्राम निवारी निवासी लता दुधपुरे ने मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना का लाभ, ग्राम लूघरवाड़ा निवासी रामभवन भारती ने जन्म प्रमाण पत्र, ग्राम सुकरी निवासी अनिल कुमार सरयाम ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ, ग्राम जामुनपानी निवासी हीरादास बैरागी ने मुआवजा राशि तथा ग्राम चारगांव निवासी अंकित बघेल ने जाति प्रमाण पत्र दिलाने की मांग रखी। जनसुनवाई में प्राप्त सभी 190 आवेदनों पर कलेक्टर ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को नियमानुसार कार्रवाई करते हुए शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

विधायक दिनेश राय मुनमुन ने ऑनलाइन माध्यम से सुनीं आमजन की समस्याएं

सिवनी। मंगलवार 10 मार्च 2026 को सिवनी विधानसभा क्षेत्र के विधायक दिनेश राय मुनमुन ने बारापत्थर स्थित कार्यालय में ऑनलाइन माध्यम से जनसुनवाई करते हुए आमजन की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को उनके निराकरण के निर्देश दिए। सुबह 11 बजे से आयोजित इस जनसुनवाई में विधायक प्रवास पर होने के कारण कार्यालय में उपस्थित नागरिकों से तकनीकी माध्यम से संवाद किया। इस दौरान विधानसभा क्षेत्र के दूर-दराज से आए नागरिकों ने अपनी व्यक्तिगत और सार्वजनिक समस्याओं से संबंधित कई आवेदन प्रस्तुत किए। विधायक दिनेश राय मुनमुन ने सभी आवेदकों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनता की समस्याओं का शीघ्र और प्राथमिकता के आधार पर निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जनता की सेवा ही जनप्रतिनिधियों का मुख्य उद्देश्य है, इसलिए अधिकारियों को संवेदनशीलता के साथ समस्याओं का समाधान करना चाहिए। जनसुनवाई के दौरान विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याओं पर चर्चा करते हुए त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

इंस्पायर मानक योजना में जियान खान का चयन विज्ञान मॉडल के लिए मिलेंगे 10 हजार रुपये

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी- सिवनी पब्लिक स्कूल के कक्षा 6वीं के छात्र जियान खान का चयन भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की इंस्पायर मानक (INSPIRE MANAK) योजना के अंतर्गत किया गया है। चयन के तहत छात्र को वर्ष 2025झ26 के लिए विज्ञान परियोजना / मॉडल तैयार करने हेतु 10 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। यह राशि छात्र द्वारा विज्ञान मॉडल तैयार करने तथा जिला स्तरीय प्रदर्शनी एवं परियोजना प्रतियोगिता (DLEPC) में भाग लेने के उद्देश्य से दी जाती है, जिसका आयोजन जिला शिक्षा प्राधिकरण द्वारा किया जाएगा। इस उपलब्धि पर जियान खान के पिता श्री नफीस खान, माता श्रीमती शबाना बी और मामा राजिक खान ने खुशी व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। परिवारजनों और शुभचिंतकों ने इसे गर्व की बात बताते हुए जियान की मेहनत और प्रतिभा की सराहना की।

सुआखेड़ा इंटकवेल में मेंटेनेंस के कारण जलापूर्ति प्रभावित, नागरिकों से पानी बचाने की अपील

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी- सुआखेड़ा इंटकवेल में विद्युत प्रवाह बंद होने के कारण मेंटेनेंस कार्य जारी है, जिसके चलते नगरीय क्षेत्र की पानी की टंकी में पेयजल आपूर्ति प्रभावित हो गई है। इसके कारण 10 मार्च 2026 को शहर में आंशिक जलापूर्ति की जाएगी। नगर पालिका द्वारा आम नागरिकों को सूचित किया गया है कि इंटकवेल में मरम्मत कार्य के चलते फिलहाल पानी की आपूर्ति सामान्य रूप से नहीं हो पा रही है। इसलिए नागरिकों से अपील की गई है कि वे एक दिन के लिए पानी का बचतपूर्वक उपयोग करें और घरों में पर्याप्त पानी सुरक्षित रखें, ताकि किसी प्रकार की असुविधा न हो। नगर पालिका ने नागरिकों को होने वाली असुविधा के लिए खेद व्यक्त करते हुए कहा है कि मेंटेनेंस कार्य पूरा होते ही जलापूर्ति व्यवस्था को जल्द से जल्द सामान्य कर दिया जाएगा।

निविदा आमंत्रण सूचना

कार्यालय ग्राम पंचायत कोहका (फुलारा), जनपद पंचायत सिवनी, जिला सिवनी (म.प्र.) द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 के अंतर्गत पंचायत क्षेत्र में प्रस्तावित निर्माण कार्यों हेतु आवश्यक निर्माण सामग्री की आपूर्ति के लिए इच्छुक ठेकेदारों/फर्मों से सीलबंद लिफाफे में निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। इच्छुक निविदादाता इस सूचना के प्रकाशन दिनांक से 10 दिवस के भीतर अपनी निविदा ग्राम पंचायत कार्यालय कोहका (फुलारा) में कार्यालय समय में जमा कर सकते हैं। निविदा से संबंधित नियम एवं शर्तें कार्यालय समय में ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त की जा सकती हैं। पंचायत को किसी भी अथवा सभी निविदाओं को निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।

सरपंच-निशा उईके, सचिव -संतोष बघेल
ग्राम पंचायत कोहका (फुलारा)
जनपद पंचायत सिवनी, जिला सिवनी (म.प्र.)

मरझोर में शोक: अमीरचंद चौरसिया का हृदय गति रुकने से निधन, आज अंतिम संस्कार

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी- मरझोर निवासी अमन शिवम चौरसिया के पूज्य पिता अमीरचंद चौरसिया का मंगलवार 10 मार्च की सुबह अचानक हृदय गति रुक जाने से दुखद निधन हो गया। उनके निधन की खबर मिलते ही मरझोर सहित आसपास के क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई। स्वर्गीय अमीरचंद चौरसिया सरल, मिलनसार और धार्मिक प्रवृत्ति के व्यक्ति थे। समाज में उनका विशेष सम्मान था और वे हमेशा सामाजिक व धार्मिक कार्यों में सक्रिय रहते थे। उनके निधन से परिवार सहित पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है। बताया जाता है कि वे छिंदवाड़ा निवासी घनश्याम चौरसिया के बड़े भाई थे। परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार उनका अंतिम संस्कार बुधवार 11 मार्च को प्रातः 9 बजे उनके निज निवास मरझोर से किया जाएगा, जहां परिजन, रिश्तेदार और क्षेत्रवासी उन्हें अंतिम विदाई देंगे। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोक संतप्त परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति दें।

Aman fitness zone
पता-नर्मदा पुल पार साकेत नगर रोड मंसूरी
हॉल के बाजू में डिंडोरी (मध्य प्रदेश)
संपर्क करें - 8989762373

क्या आप दाद-खाज़, खुजली से परेशान है?
अब आपके शहर सिवनी में सभी प्रकार के चर्म रोगों का उपचार सुप्रसिद्ध चिकित्सक द्वारा संभव
डॉ. हेमलता चांचरिया
BHMS, PGDCC, Cosmetologist
चर्म, केश, सौन्दर्य चिकित्सक
माह के दूसरे एवं चौथे बुधवार सुबह 11 बजे से 2 बजे तक
दाद (दराद) खाज खुजली का ईलाज
- कील मुहाँसो का सफलतम ईलाज
- चेहरे का साँवलापन झाई एवं Chemical Peeling दाग धब्बे हटाये द्वारा
- तील एवं मस्सो का स्थाई ईलाज लेजर द्वारा
- चेहरे के अनचाहे बालों को हटाना बालों का झड़ना समय से पहले बाल सफेद होना गंजेपन का ईलाज (पी.आर.पी.) द्वारा
- सफेद दाग का सफल ईलाज दवाई एवं सर्जरी द्वारा।
- काली झाईयाँ, चेहरे के दाग धब्बे एवं गड्ढों का सफलतम ईलाज।
- एलर्जी, एग्जिमा, शरीर पर खुजली एवं सोरायसिस का सफल इलाज
- चेहरे के गड्ढे झुरियां एवं दाग का सफल ईलाज दवाई एवं Dermaroller द्वारा
रेवा फार्मेसी
पता: बरघट रोड़, गणेश चौक, सिवनी
Mob: 96696 52061, 88393 10065

मंत्री बोले-एमपी में पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस की दिक्कत नहीं

सीएम ने दिए निगरानी के निर्देश, डीलर एसोसिएशन ने कहा- पाक-बांग्लादेश के वीडियो क्रिएट कर सकते हैं पैनिक

भोपाल। भोपाल में मंगलवार को कैबिनेट बैठक में पेट्रोलियम पदार्थों की उपलब्धता को लेकर चर्चा के बाद डॉ. मोहन यादव ने पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस की लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। सरकार का कहना है कि प्रदेश में फिलहाल पेट्रोलियम उत्पादों की कोई कमी नहीं है और आपूर्ति सामान्य रूप से जारी है। कैबिनेट बैठक के बाद सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री चैतन्य काश्यप ने बताया कि प्रदेश में पेट्रोल-डीजल और घरेलू गैस की पर्याप्त उपलब्धता है। घरेलू गैस सिलेंडर की सप्लाई लगातार की जा रही है और आम उपभोक्ताओं को किसी तरह की परेशानी नहीं होगी।

कॉमर्शियल सिलेंडर की डिलीवरी पर रोक : मंत्री काश्यप ने बताया कि भारत सरकार के निर्देशों के बाद मध्यप्रदेश में सोमवार से कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की डिलीवरी पर रोक लगाई गई है। खाड़ी देशों में जारी युद्ध जैसी परिस्थितियों को देखते हुए केंद्र के फैसले को राज्य में लागू किया गया है। उन्होंने कहा कि पेट्रोलियम उत्पादों की सप्लाई सिस्टम में पर्याप्त स्टॉक मौजूद है और युद्ध के हालातों का प्रदेश पर कोई बड़ा असर नहीं पड़ेगा।

सोशल मीडिया से पैनिक फैलने की आशंका : वहीं भोपाल पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा कि फिलहाल सप्लाई में कोई दिक्कत नहीं है। डीलर्स द्वारा ऑर्डर देने पर नियमित आपूर्ति मिल रही है। हालांकि उन्होंने आशंका जताई कि पाकिस्तान और बांग्लादेश में पेट्रोल-डीजल की किल्लत से जुड़े वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर कर यहां पैनिक की स्थिति पैदा करने की कोशिश की जा सकती है। उन्होंने कहा कि सरकार और प्रशासन को सोशल मीडिया पर ऐसी गतिविधियों की निगरानी रखनी चाहिए, ताकि लोगों में किसी तरह की अफवाह न फैले।

प्रदेश में इतनी है खपत : अजय सिंह के अनुसार मध्यप्रदेश में सालाना करीब 1200 मीट्रिक लीटर पेट्रोल और 1600 मीट्रिक लीटर डीजल की खपत होती है। उन्होंने कहा कि पेट्रोल-डीजल को स्टॉक किया जा सकता है, लेकिन रसोई गैस के मामले में यह संभव नहीं होता, इसलिए उस पर ज्यादा निगरानी जरूरी है।

घरेलू गैस की सप्लाई सामान्य : इधर रसोई गैस डीलर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधि आरके गुप्ता ने बताया कि कॉमर्शियल सिलेंडर की सप्लाई फिलहाल बंद है, लेकिन घरेलू गैस की आपूर्ति सामान्य है। उन्होंने बताया कि इस मुद्दे को लेकर मंगलवार शाम चार बजे भोपाल जिला प्रशासन की बैठक प्रस्तावित है, जिसमें स्थिति की समीक्षा कर आगे के निर्णय लिए जा सकते हैं।

46 लाख लोगों की संपत्ति रजिस्ट्री का खर्च उठाएगी सरकार

योजनाओं का फीडबैक लेने नया प्रोग्राम, 4865 युवाओं को गांवों में रखेगी सरकार

भोपाल। मंत्रालय में मंगलवार को आयोजित कैबिनेट बैठक में डॉ. मोहन यादव सरकार ने कई महत्वपूर्ण फैसले लिए। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री चैतन्य काश्यप ने जानकारी देते हुए बताया कि राज्य सरकार भूमि स्वामित्व योजना के तहत 46 लाख लोगों की संपत्ति रजिस्ट्री का स्टांप शुल्क खुद वहन करेगी, जिससे सरकार पर करीब 3000 करोड़ रुपए का अतिरिक्त खर्च आएगा। कैबिनेट ने प्रदेश में योजनाओं के जमीनी फीडबैक के लिए सीएम यंग इंटर्न्स फॉर गुड गवर्नेंस प्रोग्राम शुरू करने का फैसला भी किया है। यह कार्यक्रम तीन साल तक चलेगा। इसके लिए हर विकास खंड से 15 युवाओं का चयन किया जाएगा। चयन प्रक्रिया अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण स्कूल के माध्यम से होगी।

अनुबंध पर रखे जाएंगे युवा : चयनित युवाओं को 10 हजार रुपए मासिक मानदेय दिया जाएगा और एक साल के अनुबंध पर सेवा में रखा जाएगा। कुल 4865 युवाओं का चयन होगा और इस कार्यक्रम पर तीन साल में करीब 170 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इन युवाओं की जिम्मेदारी अपने विकासखंड में संचालित योजनाओं की जमीनी स्थिति और फीडबैक की रिपोर्ट तैयार करना होगी। यह रिपोर्ट सीधे सुशासन स्कूल के माध्यम से मुख्यमंत्री और संबंधित विभागों तक पहुंचेगी। इसके लिए डैशबोर्ड और पोर्टल भी विकसित किया जाएगा।

रजिस्ट्री का खर्च उठाएगी सरकार : भूमि स्वामित्व योजना में प्रदेश के करीब 46 लाख ग्रामीण नागरिकों को जमीन का स्वामित्व मिलेगा। इस योजना की शुरूआत केंद्रीय पंचायती राज मंत्रालय ने वर्ष 2020 में की थी। ड्रोन तकनीक के माध्यम से ग्रामीण आबादी की जमीन का सीमांकन कर प्रॉपर्टी कार्ड (कानूनी स्वामित्व कार्ड) दिए जाते हैं, जिससे भूमि विवाद कम होते हैं और बैंक से ऋण लेना भी आसान होता है।

सात विभागों की योजनाएं 2031 तक जारी : कैबिनेट ने ऊर्जा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, योजना-आर्थिक एवं सांख्यिकी, जनजातीय कार्य और महिला-बाल विकास सहित सात विभागों की योजनाओं को 2031 तक जारी रखने के लिए 33,240 करोड़ रुपए की मंजूरी दी है। इसमें महिला आयोग, बाल संरक्षण आयोग, छात्रवृत्ति योजनाएं, आरडीएसएस, दिव्यांगों के लिए प्रोफेशनल टैक्स में छूट और स्टार्टअप के लिए 600 करोड़ रुपए का प्रावधान शामिल है।

स्वास्थ्य केंद्रों में 51 पदों पर भर्ती : मंत्री काश्यप ने बताया कि मैहर, निमरानी और कैमोर में पीएफआईसी के तहत अस्पतालों के लिए स्टाफ भर्ती की जाएगी। श्रम विभाग के माध्यम से डॉक्टर और अन्य कर्मचारियों सहित कुल 51 पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी। इसके अलावा चितरंगी में व्यवहार न्यायाधीश के पद को भी कैबिनेट ने मंजूरी दी है।

एक जिला-एक उत्पाद को मिलेगा बढ़ावा : राज्य सरकार ने एक जिला-एक उत्पाद योजना के तहत स्थानीय उत्पादों की ब्रांडिंग के लिए 37.50 करोड़ रुपए की डीपीआर तैयार की है। इस योजना में एमएसएमई, उद्योग, कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग संयुक्त कार्ययोजना के तहत काम करेंगे।

कैबिनेट से पहले इन मुद्दों पर भी चर्चा

देश के टॉप-10 आईएएस में चयनित मध्यप्रदेश के दो युवाओं को बधाई दी गई।
गेहूं की खरीदी के लिए केंद्र के 2585 रुपए प्रति क्विंटल टरढ पर राज्य सरकार ने 40 रुपए बोनस जोड़कर 2625 रुपए प्रति क्विंटल पर खरीद का निर्णय लिया।
उड़द पर 600 रुपए प्रति क्विंटल बोनस देने का फैसला किया गया।

छिंदवाड़ा में खबर कॉपी करने पर दर्ज होगा केस

न्यूज वेबसाइट से वीडियो डाउनलोड कर इंस्टाग्राम पर डालने वालों पर सख्ती

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा में सोशल मीडिया पर बिना पुष्टि के खबरें वायरल करने और न्यूज वेबसाइट का कंटेंट कॉपी करने के मामलों को लेकर पुलिस सख्त हो गई है। इसे लेकर कोतवाली थाना परिसर में सोशल मीडिया पर वीडियो और रील बनाने वाले युवाओं की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कोतवाली निरीक्षक आशीष कुमार ने स्पष्ट कहा कि किसी भी खबर को बिना पुष्टि के सोशल मीडिया पर वायरल करना अपराध की श्रेणी में आ सकता है। खासकर धार्मिक भावनाओं को भड़काने वाली या अफवाह फैलाने वाली पोस्टों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि लगातार शिकायतें मिल रही हैं कि कुछ लोग न्यूज वेबसाइट और चैनलों के वीडियो डाउनलोड कर अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर जस का तस अपलोड कर रहे हैं। यह कॉपीराइट नियमों का उल्लंघन है। ऐसे मामलों में लिखित शिकायत मिलने पर संबंधित अकाउंट धारकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी और इंस्टाग्राम अकाउंट हटवाने की प्रक्रिया भी की जा सकती है।

कोतवाली निरीक्षक ने बैठक में मौजूद युवाओं को सोशल मीडिया का जिम्मेदारी से उपयोग करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि किसी भी जानकारी को पोस्ट करने से पहले उसकी सत्यता की पुष्टि जरूर करें, ताकि अफवाह और विवाद की स्थिति न बने। इस दौरान शहर में सोशल मीडिया पर रील और वीडियो बनाने वाले बड़ी संख्या में युवा मौजूद रहे। पुलिस ने सभी को सावधानी और समझदारी के साथ कंटेंट बनाने की हिदायत दी।

बच्ची से रेप-हत्या के दोषी की फांसी पर रोक

:तिहरी मौत की सजा पर अब सुप्रीम कोर्ट करेगा सुनवाई; हाईकोर्ट ने भी बरकरार रखी थी सजा

भोपाल। भोपाल के शाहजहांनाबाद इलाके में 5 साल की मासूम से रेप और हत्या के मामले में दोषी अतुल निहाले की फांसी की सजा पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी है। शीर्ष अदालत ने अतुल की याचिका पर सुनवाई करते हुए डेथ सेंटेंस को अमल करने पर स्टे दे दिया है। कोर्ट अब मामले में सजा और दोष सिद्धि से जुड़े पहलुओं पर विस्तार से सुनवाई करेगा। यह आदेश सुप्रीम कोर्ट की तीन सदस्यीय बेंच ने दिया, जिसमें न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया शामिल हैं। बेंच ने फिलहाल फांसी की सजा के अमल पर रोक लगाते हुए मामले की आगे सुनवाई तय की है। अदालत अब रिकॉर्ड और दोनों पक्षों की दलीलों के आधार पर यह तय करेगी कि निचली अदालतों के फैसले में किसी तरह के हस्तक्षेप की आवश्यकता है या नहीं।

स्पेशल कोर्ट ने सुनाई थी तिहरी फांसी : इस जघन्य मामले में भोपाल के विशेष पॉक्सो कोर्ट ने 18 मार्च 2025 को ऐतिहासिक फैसला सुनाया था। अदालत ने आरोपी अतुल निहाले को तीन अलग-अलग धाराओं में फांसी की सजा सुनाई थी। बीएनएस लागू होने के बाद मध्यप्रदेश में यह पहला मामला था, जिसमें किसी दोषी को अलग-अलग धाराओं में तीन बार मृत्युदंड दिया गया था। इसके अलावा अदालत ने आरोपी को दो धाराओं में उम्रकैद और दो अन्य धाराओं में सात-सात साल की सजा भी सुनाई थी।

हाईकोर्ट ने कहा था- इसकी कल्पना ही रूह कंपा देने वाली : स्पेशल कोर्ट के फैसले को आरोपी ने मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। इस पर सुनवाई करते हुए जबलपुर स्थित हाईकोर्ट की डबल बेंच ने निचली अदालत के फैसले को सही ठहराते हुए फांसी की सजा बरकरार रखी थी। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि आरोपी ने अत्यंत अमानवीय और नृशंस अपराध किया है। हाईकोर्ट ने यह भी टिप्पणी की थी कि पांच साल की बच्ची ने जिस पीड़ा को झेला, उसे शब्दों में समझ पाना मुश्किल है और इसकी कल्पना ही रूह कंपा देने वाली है।

दुर्लभतम श्रेणी का अपराध माना गया : भोपाल की विशेष अदालत ने अपने फैसले में इस अपराध को दुर्लभतम श्रेणी का मामला बताया था। कोर्ट ने कहा था कि यदि मृत्युदंड से भी बड़ी कोई सजा होती तो आरोपी उसका भी पात्र होता। अदालत ने अपने आदेश में लिखा था कि यदि समाज बच्चों को सुरक्षित माहौल नहीं दे सकता, जहां वे अपने घर और आसपास सुरक्षित खेल सकें, तो सभ्य समाज की कल्पना भी कठिन हो जाती है।

शिवराज बोले-ममता दीदी को 'प्रधानमंत्री' के नाम से आपत्ति

बंगाल में रोकीं केंद्र की योजनाएं; जलने वाले जलें, हम किसानों का भाग्य बदलकर रहेंगे

दिल्ली/भोपाल। लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान मंगलवार को केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पश्चिम बंगाल की ममता सरकार पर अब तक का सबसे तीखा हमला बोला। शिवराज ने सीधे शब्दों में कहा कि बंगाल की सरकार को जनहित से ज्यादा राजनीति प्यारी है। उन्होंने कहा, "विपक्ष तख्तियां लेकर हाय-हाय करता रहे, लेकिन दुनिया भारत की कृषि नीतियों की वाह-वाह कर रही है। जलने वाले जला करें, हम किसानों का भाग्य बदलकर ही दम लेंगे।" सदन में जो लोग नारे लगा रहे हैं, उन्होंने बंगाल में प्राकृतिक खेती मिशन तक लागू नहीं किया। उन्हें किसानों के पसीने की कद्र नहीं है। बंगाल की जनता ममता बनर्जी को इस धोखे के लिए कभी माफ नहीं करेगी।

नाम की राजनीति: 'प्रधानमंत्री' शब्द से परहेज : शिवराज ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में 'प्रधानमंत्री कृषि धन धान्य' जैसी महत्वपूर्ण योजनाएं सिर्फ इसलिए लागू नहीं की गईं क्योंकि उनके नाम के आगे 'प्रधानमंत्री' जुड़ा है। उन्होंने इसे किसानों के साथ "खुला अन्याय और पाप" करार दिया।

वोट बैंक बनाम किसान की सेहत : मंत्री ने सदन में कहा कि टीएमसी सरकार को मिट्टी की उर्वरता और जनता के स्वास्थ्य की कोई चिंता नहीं है। प्राकृतिक खेती मिशन को ठंडे बस्ते में डालना इस बात का सबूत है कि उन्हें सिर्फ अपने वोट बैंक को साधना है।

चीन को पछाड़ा, गोदाम भरे : शिवराज ने गर्व से कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने चावल उत्पादन में चीन को पीछे छोड़ दिया है। देश का खाद्यान्न उत्पादन 357 मिलियन टन के रिकॉर्ड स्तर पर है। उन्होंने तंज कसा– ह्लएक समय था जब हम अनाज मांगते थे, आज चिंता यह है कि रिकॉर्ड पैदावार को रखें कहां!

वनों को आग से बचाने के लिए 'फॉरेस्ट प्रीमियर लीग'

रायसेन। गर्मियों का मौसम शुरू होते ही रायसेन वन मंडल ने वनों को आग से बचाने के लिए जागरूकता अभियान तेज कर दिया है। इसी कड़ी में रायसेन पूर्व सामान्य वन मंडल द्वारा सांची रोड स्थित जिंद बाबा ग्राउंड पर 'फॉरेस्ट प्रीमियर लीग ' क्रिकेट टूनामेंट का आयोजन किया गया। इस टूनामेंट का फाइनल मुकाबला मंगलवार को सदालपुर समिति ने जीतकर ट्रॉफी अपने नाम की। इस अनोखे क्रिकेट टूनामेंट का मुख्य उद्देश्य वन समितियों को वनों की सुरक्षा और आग से बचाव के प्रति जागरूक करना था, जिसमें कुल आठ वन समितियों ने भाग लिया। जागरूकता फैलाने के लिए पूरे मैदान पर वनों को आग से बचाने संबंधी पोस्टर और बैनर लगाए गए थे। इन पर 'वनों की आग बचाने में सहयोग करें' और 'महुआ के पेड़ों के नीचे सफाई के दौरान आग न लगे' जैसे महत्वपूर्ण संदेश लिखे गए थे।

भारत की समृद्ध ज्ञान परम्परा पर गर्व के साथ आगे बढ़ने की आवश्यकता : मंत्री श्री परमार

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस कार्यक्रम 2026 का किया शुभारंभ

भोपाल। उच्च शिक्षा, तकनीकी एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने कहा कि भारत देश कभी गरीब नहीं था, बल्कि एक समृद्ध देश था। भारत को सोने की चिड़िया के नाम से जाना जाता था। भारत का ज्ञान सर्वश्रेष्ठ था और यहां का किसान आत्मविश्वासी और सामर्थ्यवान था। भारत का समाज, शिक्षित समाज था। भारत की संस्कृति और परंपराएं मजबूत थी। वैज्ञानिक भारतीय समाज की विशेषता थी। भारत की इसी समृद्धि के कारण ही विदेशी लुटेरे, मुगल और अंग्रेज भारत आए तथा समृद्ध भारत को हर स्तर पर लूटने का प्रयास किया। संस्कृति, परंपराओं,वेदों , शिक्षा केंद्रों, खेल परिसरों आदि को नष्ट करने के कार्य के साथ भारतीय समाज के अशिक्षित होने, रूढ़िवादी होने, अंधविश्वासी होने का दुष्प्रचार भी किया। अब समय आ गया है जब हम भारत के महानतम ज्ञान एवं भारतीय समाज के बारे में भ्रांतियां को दूर करने के सशक्त उपाय करते हुए देश की स्वतंत्रता की 100वी वर्षगांठ वर्ष-2047 तक भारत को, विकसित भारत के महानतम लक्ष्य के साथ भारतीय ज्ञान परंपरा के वैशिष्ट्य को पूरी क्षमता से मनाए। मंत्री श्री परमार ने कहा भारतीय समाज की अवधारणा को समझने और पुनः स्मरण करने के लिए राष्ट्रीय विज्ञान दिवस एक उपयुक्त अवसर है कि जब हम वैज्ञानिक शोध करें और यदि हमें सामाजिक मान्यताओं में रूढ़िवाद, अंध विश्वास दिखे, तो हमें छोड़ना पड़ेगा। हम युगानुकल परिवर्तन के पक्षधर हैं। मंत्री श्री परमार नेसोमवार को महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय में आयोजित 2 दिवसीय राष्ट्रीय विज्ञान दिवस कार्यक्रम 2026 का शुभारंभ कर संबोधित कर रहे थे। इसके पहले मंत्री श्री परमार ने एविएशन विंग का भ्रमण कर गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। मंत्री श्री परमार ने उड़ान अकादमी के अधिकारियों से विचार विमर्श कर कार्यक्रम के प्रगति की जानकारी भी ली। कार्यक्रम में महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. आलोक चौबे, मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष एवं केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, भारत सरकार, नई दिल्ली के पूर्व अध्यक्ष प्रो. एस. पी. गौतम एवं अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा के कुलगुरु प्रो. राजेंद्र कुमार कुडरिया, अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा डॉ आर पी सिंह, पूर्व कुलगुरु प्रो भरत मिश्रा, पूर्व कुलगुरु प्रो कपिल देव मिश्रा सहित शिक्षकगण, शोधार्थी, विद्यार्थी एवं विभिन्न संस्थानों से आए प्रतिभागी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

छिंदवाड़ा में फल विक्रेता से गिरवी रखी गाड़ी से लूट:एक आरोपी गिरफ्तार, दूसरा फरार; चाकू और स्कूटी जब्त

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा में कुण्डीपुरा पुलिस ने फल विक्रेता से लूट करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर सोमवार कों जेल भेज दिया है, जबकि उसका एक साथी अभी फरार है जिसकी तलाश जारी है। पुलिस ने आरोपी के पास से लूट की रकम, घटना में प्रयुक्त स्कूटी और धारदार चाकू जब्त किया है। पुलिस के अनुसार 7 मार्च 2026 को फरियादी दिलीप अहिरवार (53) निवासी वार्ड क्रमांक 18 सुकलुढाना थाना कुण्डीपुरा ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह ठेला लगाकर फल-फ्रूट बेचने का काम करता है। रात करीब 10:15 बजे वह अपना ठेला लेकर घर लौट रहा था। इसी दौरान सिवनी-छिंदवाड़ा रोड पर रघुवंशी मिल के पास लाल रंग की स्कूटी पर आए दो युवकों ने उसका रास्ता रोक लिया। आरोपियों ने गले पर चाकू रखकर गाली-गलौज करते हुए उससे करीब 8 हजार रुपए और चिल्लर लूट लिए और मौके से फरार हो गए। पुलिस ने घटना स्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की और तकनीकी साक्ष्यों व मुखबिर की सूचना के आधार पर आरोपी की पहचान कर उसे हिरासत में लिया।

गिरवी रखी स्कूटी से लूट कों दिया अंजाम

पूछताछ में आरोपी ने अपराध स्वीकार कर लिया। पुलिस ने उसके पास से लूट की रकम में से 3 हजार रुपए, घटना में प्रयुक्त स्कूटी और चाकू जब्त किया है। इस प्रकरण में मुख्य बात ये है कि इस घटना में प्रयुक्त स्कूटी कों इम्मू के परिवार ने गिरवी रखी थी और इसी से इम्मू ने घटना कों अंजाम दिया

आरोपी का आपराधिक रिकॉर्ड भी

गिरफ्तार आरोपी इरफान उर्फ इम्मू उर्फ इन्नू सैयद अली (21) निवासी चौड़ा बाबा मंदिर के पीछे पातालेश्वर थाना कुण्डीपुरा है। उसके खिलाफ पहले से भी अलग-अलग थानों में मारपीट, लूट और अन्य मामलों के अपराध दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार मामले में आरोपी का साथी छुट्टील पिता सफीक खान निवासी पातालेश्वर फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है।

रायसेन नेशनल हाईवे 45 पर हादसा, एक की मौत

रायसेन। रायसेन जिले के उदयपुरा थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे-45 पर सोमवार रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया। एसबीआई ब्रिज के पास तेज रफ्तार ट्रक और बोलेरो गाड़ी की जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में बोलेरो चालक की मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी तेज थी कि ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क के बीचों-बीच पलट गया। वहीं बोलेरो गाड़ी का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। बताया जा रहा है कि बोलेरो सवार सड़क पार कर रहे थे, तभी जबलपुर की ओर से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

रायसेन में महिलाओं ने अवैध शराब के खिलाफ उठाई आवाज

रायसेन। रायसेन तहसील के चांदपुर गांव में अवैध शराब बेची जा रही है। महिलाओं ने मंगलवार को जनसुनवाई में कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा के पास पहुंच कर अवैध शराब बिक्री पर रोक लगाने की मांग की। महिलाओं ने बताया कि उनके पति लाडली बहना योजना के पैसों से शराब पी रहे हैं। महिलाओं के अनुसार, जब लाडली बहना योजना के पैसे खत्म हो जाते हैं, तो पति घर का सामान बेचकर शराब खरीदते हैं। इस स्थिति के कारण परिवारों में रोज विवाद हो रहे हैं, जिससे घर का माहौल खराब हो रहा है। महिलाओं ने बताया कि उनके गांव चांदपुर में दो से तीन जगहों पर अवैध शराब बेची जा रही है। इसके साथ ही, कच्ची शराब का कारोबार भी धड़ल्ले से चल रहा है।

शिकायतकताओं ने बताया कि उन्होंने कलेक्टर कार्यालय में अवैध शराब बिक्री के खिलाफ कई बार आवेदन दिए हैं, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। आबकारी विभाग ने भी उनके गांव में अवैध शराब बिक्री को रोकने के लिए कोई कदम नहीं उठाया है। महिलाओं ने चिंता व्यक्त की कि शराब के सेवन से छोटे बच्चों से लेकर युवा तक प्रभावित हो रहे हैं और घरों में लगातार झगड़े हो रहे हैं।

कलेक्टर श्री तिवारी ने की डीएमएफ से स्वीकृत कार्यों की समीक्षा

अपूर्ण निर्माण कार्यों को पूरा कर दें पूर्णता प्रमाण पत्रः कलेक्टर

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। कलेक्टर श्री आशीष तिवारी की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जिला खनिज प्रतिष्ठान मद से संचालित निर्माण कार्यों की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने अपूर्ण कार्यों को समय-सीमा में शीघ्र पूरा कर संबंधित निर्माण एजेंसियों को कार्य का पूर्णता प्रमाण पत्र जारी करने की हिदायत दी। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों की उपस्थिति में पावर प्रेजेंटेशन के माध्यम से विभागवार प्रगतिरत कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई।

बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत हरसिमरनप्रीत कौर, आयुक्त नगर पालिक निगम तपस्या परिहार, कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग, प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी सुश्री धनश्री जैन तथा जिला परियोजना समन्वयक श्री प्रेमनारायण तिवारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। समीक्षा के दौरान बताया गया कि जिला खनिज प्रतिष्ठान अंतर्गत कुल 253 कार्य स्वीकृत हैं, जिनमें से 92 कार्य वर्तमान में प्रगतिरत हैं। कलेक्टर श्री तिवारी ने प्रत्येक प्रगतिरत कार्य की बिंदुवार समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर श्री तिवारी ने निर्देश दिए कि जिन कार्यों में अतिक्रमण की समस्या है, वहां तत्काल अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाए। साथ ही जो कार्य पूर्ण हो चुके हैं, उनके कार्य पूर्णता प्रमाणपत्र शीघ्र जारी किए जाएं। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि जो कार्य कई वर्षों से अपूर्ण पड़े हैं, उन्हें प्राथमिकता के साथ जल्द से जल्द पूर्ण कराया जाए।

प्रगतिरत कार्य

जिला खनिज प्रतिष्ठान मद से ग्रामीण यांत्रिकी सेवा द्वारा 46, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा 22, लोक निर्माण विभाग द्वारा 1, जल संसाधन विभाग द्वारा 5 तथा नगर निगम, जिला शिक्षा केन्द्र, मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम भोपाल, शासकीय महाविद्यालय विजयराघवगढ, जनभागीदारी समित, शासकीय महाविद्यालय बरही, मुख्य कार्यपालन अधिकारी सहकारी दुग्ध समिति सांची, नगर परिषद बरही, और परियोजना क्रियान्वयन ईकाई कटनी के अंतर्गत 1-1 निर्माण कार्य प्रगतिरत है। जबकि अन्य विभागों में 10 कार्य निमार्णाधीन है। इस प्रकार जिला खनिज प्रतिष्ठान मद के अंतर्गत जिले में समीक्षा के दौरान 92 निर्माण कार्य प्रगतिरत पाये गये। इन्हें शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश कलेक्टर श्री तिवारी द्वारा दिये गये।

रिश्वत लेने का वीडियो वायरल होने पर हल्का पटवारी निलंबित

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। नक्शा बटांकन एवं सीमांकन कार्य के लिये रिश्वत लेने का वीडियो वायरल होने के बाद एसडीएम बहोरीबंद श्री राकेश चौरसिया ने बहोरीबंद अनुभाग के अंतर्गत तहसील स्लीमनाबाद के ग्राम धरवारा में पदस्थ हल्का पटवारी श्री महेन्द्र मिश्रा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन की यह कार्यवाही तहसीलदार स्लीमनाबाद के द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के आधार पर की गई है। हाल ही में तहसील स्लीमनाबाद के ग्राम धरवारा में पदस्थ हल्का पटवारी श्री मिश्रा का एक वीडियो वायरल हुआ था। जिसमें हल्का पटवारी के द्वारा कृषक बारेलाल से नक्शा बटांकन एवं सीमांकन कार्य हेतु पैसे की मांग करते एवं पैसा प्राप्त करते दिखाया जा रहा है। वायरल वीडियो सामने आने के बाद तहसीलदार स्लीमनाबाद के न्यायालय में चल रहे प्रकरणों में से ग्राम धरवारा के प्रकरणों की जांच की गई। जिसमें पाया गया कि लोक सेवा केन्द्र से आवेदक बारेलाल का आवेदन नक्शे में बटांकन हेतु प्राप्त हुआ है और उक्त प्रकरण पर न्यायालय तहसीलदार स्लीमनाबाद के द्वारा 29 जनवरी को ही आदेश पारित किया जा चुका है। वायरल वीडियो में हल्का पटवारी श्री मिश्रा के द्वारा राशि की मांग किया जाना प्रथम दृष्टया दृष्टिगत होने के बाद हल्का पटवारी श्री मिश्रा को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया। जिसके बाद हल्का पटवारी श्री मिश्रा के द्वारा प्रस्तुत जवाब समाधान कारक व युक्तियुक्त होना नहीं पाया गया। हल्का पटवारी श्री महेन्द्र मिश्रा के द्वारा अपने पदीय दायित्वों में लापरवाही एवं घोर अनियमिततताः किया जाना तथा कार्य के बदले अनुचित पैसो की मांग करना म.प्र. सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम 2 व 3 का स्पष्ट उल्लंघन होकर कदाचरण की श्रेणी में आता है। इसके बाद एसडीएम बहोरीबंद श्री चौरसिया ने म.प्र. सिविल सेवा (अपील नियंत्रण एवं वर्गीकरण) नियम 1966 के नियम 9 (1) 'क' के अन्तर्गत हल्का पटवारी श्री मिश्रा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय तहसील कार्यालय स्लीमनाबाद नियत किया गया है एवं निलंबन काल में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा।

बजाग में जनगणना 2027 के लिए प्रशिक्षण आयोजित, 240 प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

दैनिक रेवांचल टाईम्स, डिण्डौरी। जिले के अनुविभाग बजाग अंतर्गत विकासखंड बजाग में मंगलवार, 10 मार्च 2026 को जनगणना 2027 के प्रथम चरण *मकान सूचीकरण एवं मकान गणना (लछड)* से संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रम महाविद्यालय बजाग में आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी के मार्गदर्शन तथा अनुविभागीय जनगणना अधिकारी श्री रामबाबू देवांगन के निर्देशन में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम दो पालियों में आयोजित किया गया। पहली पाली सुबह 11:00 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक तथा दूसरी पाली दोपहर 2:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक चली। इसमें प्रस्तावित प्रगणक, पर्यवेक्षक, मास्टर ट्रेनर, जनशिक्षक, पटवारी, सचिव एवं वनरक्षकों को जनगणना 2027 के प्रथम चरण की पूरी प्रक्रिया की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को जनगणना 2027 का प्रारंभिक परिचय, भवन, जनगणना मकान एवं परिवार की पहचान, उनकी नंबरिंग तथा लछड ऐप के उपयोग के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण सहायक प्रबंधक ई-गवर्नेंस श्री भरत अग्रवाल द्वारा पीपीटी के माध्यम से दिया गया। कार्यक्रम में महिलाओं ने भी उत्साहपूर्वक भागीदारी की। प्रशिक्षण में कुल 240 प्रतिभागी उपस्थित रहे। इस अवसर पर एसडीएम बजाग श्री रामबाबू देवांगन, तहसीलदार बजाग श्री भरत सिंह बट्टे, प्राचार्य महाविद्यालय बजाग, मास्टर ट्रेनर, बीआरसी श्री गौतम सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। इसी क्रम में जनगणना 2027 से संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रम विकासखंड करंजिया में दिनांक 12 मार्च 2026 को आयोजित किया जाएगा।

देयकों को प्रस्तुत करने के दिये निर्देश

कटनी । वित्तीय वर्ष 2025-26 की समाप्ति को देखते हुये कलेक्टर श्री आशीष तिवारी ने जिले के समस्त आहरण एवं संवितरण अधिकारियों को बजट से संबंधित देयक समय से कोषालय में प्रस्तुत करने के निर्देश दिये हैं। कलेक्टर श्री तिवारी ने जारी परिपत्र में कहा है कि प्रायः देखा जाता है कि मार्च के अंतिम कार्य दिवसों में बजटीय देयक रिसीव कर कोषालय में प्रस्तुत किये जाते हैं। मार्च के अंतिम दिवस में पर्याप्त समय न होने एवं सर्वर डाउन होने के कारण बजट लैप्स होने की संभावना निर्मित हो सकती है। कलेक्टर श्री तिवारी ने स्पष्ट किया है कि किसी भी विभाग का बजट लैप्स होने की स्थिति में संबंधित आहरण एवं संवितरण अधिकारी स्वयं जवाबदेह होंगे।

वनरक्षक आवास जुसिंर्हा में बुन्देली फाग उत्सव का आयोजन

रेवांचल टाइम्स संवाददाता उमाकांत त्रिपाठी पन्ना । बुन्देलखण्ड क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं में फाग गायन का विशेष स्थान है, जो मुख्यतः होली के अवसर पर गाया जाता है। फाग गीतों के साथ ढोलक, नगड़िया, मंजीरा और झांझ जैसे पारंपरिक वाद्य यंत्रों की संगत वातावरण को उल्लासपूर्ण बना देती है। समय के साथ यह लोक परंपरा धीरे धीरे कम होती जा रही है, ऐसे में इसके संरक्षण और संवर्धन की आवश्यकता और भी बढ़ जाती है। इसी उद्देश्य से दक्षिण पन्ना वनमण्डल के वन परिक्षेत्र कल्दा अंतर्गत वनरक्षक आवास जुसिंर्हा में वनरक्षक वीरेन्द्र पटेल द्वारा बुन्देली संस्कृति को प्रोत्साहित करने के लिए फाग उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आसपास के 5 से 6 गांवों के लगभग 200 ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और लगभग 4-5 घंटे तक फाग गीतों की मधुर धुनों में सराबोर रहे। इस प्रकार के आयोजन क्षेत्र में सामाजिक सद्भाव और सांस्कृतिक एकता को मजबूत करते हुए समुदाय को एक सूत्र में बांधने का कार्य करते हैं।

भाजपा की छात्र युवा विरोधी नीतियों के विरोध में 16 मार्च को भाजपा कार्यालय का होगा घेरावः पंकज

दैनिक रेवांचल टाइम्स रीवा। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) के जिलाध्यक्ष पंकज उपाध्याय ने प्रेस वार्ता में बताया कि दिनांक 16 मार्च 2026 को रीवा में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) कार्यालय का घेराव किया जाएगा। यह विरोध प्रदर्शन केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों, युवाओं और छात्रों के अधिकारों पर लगातार हो रहे हमलों तथा लोकतांत्रिक मूल्यों के हनन के खिलाफ आयोजित किया जा रहा है।

पंकज उपाध्याय ने कहा कि वर्तमान भाजपा सरकार देश के शिक्षण संस्थानों में जातिगत भेदभाव और विभाजनकारी राजनीति को बढ़ावा देने का कार्य कर रही है। शिक्षा के मंदिरों को विचारधारा का केंद्र बनाकर छात्रों को बांटने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे शिक्षा का वातावरण प्रभावित हो रहा है। विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में आरएसएस और एबीवीपी जैसे संगठनों के माध्यम से राजनीतिक हस्तक्षेप बढ़ाया जा रहा है तथा छात्रों को भाजपा के कार्यक्रमों में भीड़ के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। कई जगहों पर सरकारी शिक्षकों पर भी राजनीतिक दबाव बनाकर उन्हें भाजपा के एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए मजबूर किया जा रहा है, जो शिक्षा व्यवस्था की गरिमा के खिलाफ है देश के सामने आज महंगाई और बेरोजगारी जैसे गंभीर मुद्दे खड़े हैं,लेकिन भाजपा सरकार इन असली मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए लगातार नई राजनीतिक बहसें खड़ी कर रही है। हाल के समय में सामने आई एप्सटीन फाइल और भारत-अमेरिका ट्रेड डील जैसे अंतरराष्ट्रीय मामलों पर भी सरकार की चुप्पी और अस्पष्टता कई सवाल खड़े करती है। युवाओं और देश के हित से जुड़े इन महत्वपूर्ण मुद्दों पर पारदर्शिता की आवश्यकता है,लेकिन सरकार जनता को स्पष्ट जवाब देने से बच रही है,इसके साथ ही देशभर में लगातार सामने आ रहे पेपर लीक के मामलों ने युवाओं के भविष्य को अंधकार में डाल दिया है प्रतियोगी परीक्षाओं में हो रही धांधली से लाखों छात्रों की मेहनत पर पानी फिर रहा है, लेकिन सरकार इस पर कठोर कार्रवाई करने में असफल साबित हो रही है।

उन्होने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कि हाल ही में एआई समिट के दौरान आई,वाई सी कार्यकताओं पर झूठे मुकदमे दर्ज कर उन्हें जेल भेजा गया, जो लोकतांत्रिक अधिकारों का खुला दमन है युवाओं की आवाज को दबाने के लिए पुलिस और प्रशासन का दुरुपयोग किया जा रहा है, जो लोकतंत्र की मूल भावना के खिलाफ है,इसके अलावा केंद्र सरकार द्वारा ईडी और सीबीआई जैसी केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग कर विपक्षी नेताओं और सरकार की आलोचना करने वालों को निशाना बनाया जा रहा है। लोकतंत्र में असहमति और विरोध का अधिकार मौलिक है, लेकिन भाजपा सरकार इसे दबाने का प्रयास कर रही है,रीवा जिले में भी स्वास्थ्य व्यवस्था की स्थिति अत्यंत खराब है। अस्पतालों में संसाधनों की कमी, डॉक्टरों की कमी और अव्यवस्था के कारण आम जनता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है,लेकिन सरकार इस ओर गंभीरता से ध्यान नहीं दे रही है,साथ ही संबल योजना, मेधावी स्कॉलरशिप और आयुष्मान योजना जैसी सरकारी योजनाओं में लगातार अनियमितताओं और घोटालों की शिकायतें सामने आ रही हैं, जिससे जरूरतमंद लोगों को लाभ नहीं मिल पा रहा है।

विगत दिनों भाजपा समर्थकों द्वारा भोपाल स्थित प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में घुसकर तोड़फोड़ करना लोकतांत्रिक परंपराओं पर हमला है। विरोध प्रदर्शन करना लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन हिंसा और तोड़फोड़ किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। इन सभी जनविरोधी नीतियों, लोकतंत्र और संविधान के साथ हो रहे खिलवाड़ तथा युवाओं और छात्रों के अधिकारों की रक्षा के लिए एनएसयूआई रीवा 16 मार्च को भाजपा कार्यालय का घेराव कर जोरदार विरोध प्रदर्शन करेगी। एनएसयूआई जिलाध्यक्ष पंकज उपाध्याय ने कहा कि "यदि भाजपा सरकार छात्रों, युवाओं और आम जनता के मुद्दों को अनदेखा करती रही तो एनएसयूआई सड़कों पर उतरकर लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष को और तेज करेगी। शिक्षा संस्थानों को राजनीति का अखाड़ा बनाने और युवाओं की आवाज दबाने की हर कोशिश का मजबूती से विरोध किया जाएगा।"पंकज उपाध्याय ने सभी छात्र युवाओं से शामिल होने की अपील की है।

सात वर्षो से फरार दो स्थाई वारंटियों को पवई पुलिस ने किया गिरफ्तार

होली का त्योहार मनाने आए थे घर

माननीय न्यायालय के आदेश से भेजे गए उप जेल पवई

रेवांचल टाइम्स संवाददाता उमाकांत त्रिपाठी पवई जिला पन्ना । पन्ना पुलिस अधीक्षक श्रीमती निवेदिता नायडू के द्वारा जिले के समस्त थाना प्रभारियों को जिले में दीर्घकालीन लंबित स्थाई वारंटियों को तामील करने हेतु निर्देशित किया गया था उसी तारतम्य में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती वंदना सिंह एवं एसडीओपी पवई श्रीमती भावना दांगी के निर्देशन पर एवं थाना प्रभारी पवई निरीक्षक श्री सुशील कुमार अहिरवार के नेतृत्व में मुखबिर सूचना के आधार पर पवई पुलिस के द्वारा पिछले सात आठ वर्षो से फरार दो स्थाई वारंटियों को गिरफ्तार किया गया है। माननीय न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी न्यायालय पवई के प्रकरण क्रमांक 681/18 धारा 457, 380 भादवि एवं प्रकरण क्रमांक 406/19 धारा 294 ,323, 506 भादवि के आरोपी क्रमशः पंकज खम्परिया पिता अयोध्या प्रसाद निवासी पटना खम्परिया थाना सिमरिया एवं दयाराम चौधरी पिता टंटा चौधरी निवासी ग्राम महेडा को पवई थाना की पुलिस के द्वारा गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया जहां माननीय न्यायालय के आदेश से दोनों आरोपियों को उप जेल पवई दाखिल कर दिया गया है । उल्लेखनीय भूमिका - उक्त संपूर्ण करवाई वरिष्ठ अधिकारियों के कुशल मार्गदर्शन में थाना प्रभारी पवई निरीक्षक सुशील कुमार अहिरवार के नेतृत्व में सहायक उप निरीक्षक विजय गर्ग, प्रधान आरक्षक अंजनी तिवारी, प्रधान रक्षक नीरज रैकवार , आरक्षक मनोज अहिरवार की महत्वपूर्ण भूमिका रही ।

जवा में प्रथम महिला शिक्षिका सावित्री बाई फूले की मनाई गई परिनिर्वाण दिवस

दैनिक रेवांचल टाइम्स जवा। भारत की प्रथम महिला शिक्षिका और महान समाज सुधारिका सावित्रीबाई फुले का परिनिर्वाण दिवस जवा में मनाया गया। जहा पर उपस्थति लोगों ने मां सावित्रीबाई फूले के चित्र में माल्यापर्ण कर उन्हें नमन किया गया। कार्यकम के दौरान किसान नेता एसके सिंह ने कहा कि मां सावित्रीबाई फूले शिक्षा का प्रसार उन्होंने और उनके पति के साथ लड़कियों के लिए स्कूल खोले, समाज के वंचित वर्गों की शिक्षा के लिए भी अथक प्रयास किए है जिनके कारण महिलाये आज शिक्षा ग्रहण कर हर क्षेत्र में आगे है। पिछड़ावर्ग कांग्रेस राष्ट्रीय समन्वयक कुँवर सिंह पटेल ने बताया कि महिलाओं में जागरूकता लाने के लिए उन्होंने 1852 में 'महिला सेवा मंडल' की स्थापना की। इसके अलावा, उन्होंने गर्भवती बलात्कार पीड़ितों के लिए 'बालहत्या प्रतिबंधक गृह' की शुरूआत की। दौरान, उन्होंने संक्रमित लोगों की सेवा की। एक पीड़ित बच्चे को अस्पताल पहुँचाने के दौरान वे स्वयं इस बीमारी की चपेट में आ गईं और 10 मार्च 1897 को उनका निधन हो गया। उस दौरान टिकैत यूनियन ब्लाक सचिव एसके सिंह, पूर्व विधायक रामगरीब वनवासी, कुँवर सिंह पटेल कांग्रेस पिछड़ावर्ग राष्ट्रीय समन्वयक, सपा प्रदेश सचिव जगदीश यादव, ओबीसी दिनेश पटेल, विकास कोल, टिकैत किसान यूनियन ब्लाक इकाई जवा अध्यक्ष राजेश्वरी सिंह,किसान नेता अनिल सिंह, गजाधर सिंह ,विजय सिंह लाखन, कामता सिंह, छेदी लाल आदिवासी, अजय आदिवासी,दयानाथ वर्मा, मुन्नालाल आदिवासी, राजेश वर्मा सहित सैकड़ों लोग उपस्थति रहे।

सूखी पड़ी नहरों में पानी नहीं छोड़े जाने पर 13 मार्च से धरना-प्रदर्शन की चेतावनी

दैनिक रेवांचल टाइम्स रीवा। जिले के सुखी पड़ी नहरों में पानी नही छोड़े जाने के विरोध में जिला पंचायत सदस्य वार्ड क्रमांक 15 कामरेड लालमणि त्रिपाठी ने ऐलान किया है कि यदि जल्द ही पानी नही छोड़ा गया तो 13 मार्च से बाणसागर कार्यालय के सामने धरना प्रदर्शन किया जाएगा। कामरेड लालमणि त्रिपाठी ने कहा कि किसानों की फसलें सूख रही हैं मवेशियों-पक्षियों को पानी नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने प्रशासन को चेतावनी दी है कि अगर पानी नहीं छोड़ा गया, तो वे धरने पर बैठेंगे और इसकी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। कामरेड लालमणि त्रिपाठी ने कहा कि वे किसानों के हक के लिए लड़ रहे हैं और उन्हें प्रशासन से न्याय की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि अगर पानी नहीं छोड़ा गया, तो वे धरने पर बैठेंगे और अपनी मांगों को पूरा करने के लिए लड़ेंगे।

ओम होम हैल्थ केयर सर्विस
हमारे पास अशक्त बुजुर्ग मरीजों की देखभाल हेतु नर्स,वार्ड बॉय,आया बाई,फिजियोथैरेपी और दवाईयॉ घर पर उपलब्ध कराए जाते हैं।
प्रो.जितेन्द्र पटैल
CERVIC - 24X7 Hourse
मो. 9340721556,9753518166
पता-केनरा बैंक महाराष्ट हॉई स्कूल गोल बाजार जबलपुर(म.प्र.)

Manufacturer of t-shirts & lowers Mo. 9174614421, 9406763810
CHANDRAKALA TEXTILES
सभी प्रकार की टी-शर्ट ऑर्डर पर बनाई और प्रिंट की जाती हैं और स्पोर्ट्स सबलिमेसन जर्सी बनाई जाती हैं।
Address : shop no 151, jabalpur fashion design cluster market Lema garden Gohalpur jabalpur 482001

नैनपुर में अवैध कॉलोनियों का खेल, राजस्व अमले और जिला प्रशासन की भूमिका पर गंभीर सवाल

सरकारी जमीनों पर कब्जा, प्रशासन की चुप्पी – निवारी में जेसीबी चलाकर दिखावा या बड़ी गड़बड़ी पर पर्दा?

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। जिले विकास खण्ड नैनपुर में जिले में सरकारी जमीनों की बंदरबांट और अवैध कॉलोनियों का खेल अब खुलकर सामने आने लगा है। एक ओर प्रशासन कभी-कभार अतिक्रमण हटाने के नाम पर जेसीबी चलाकर कार्रवाई का दिखावा करता है, तो दूसरी ओर वर्षों से शासकीय भूमि पर कब्जा और अवैध प्लॉटिंग का खेल खुलेआम चलता रहा। ऐसे में सवाल उठने लगे हैं कि आखिर राजस्व अमला और जिला प्रशासन इतने वर्षों तक क्या कर रहा था? हाल ही में मंडला सड़क मार्ग स्थित निवारी में पेट्रोल पंप के सामने खसरा नंबर 434 (मदः आम सड़क रास्ता) की सरकारी जमीन पर किए गए अतिक्रमण को हटाने के लिए प्रशासन ने जेसीबी चलाकर कार्रवाई की। जानकारी के अनुसार 0.84 हेक्टेयर भूमि में से करीब 0.16 हेक्टेयर क्षेत्र पर सिवनी निवासी चंद्रकांत गढ़ेवाल द्वारा कब्जा कर अवैध कॉलोनाइज़िंग की जा रही थी। प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर अतिक्रमण हटाकर जमीन मुक्त कराने की कार्रवाई की। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि जब इस जमीन पर लंबे समय से कब्जा और प्लॉटिंग हो रही थी, तब राजस्व विभाग और स्थानीय प्रशासन आखिर कहां था?

नोटिस देकर भूल गए तहसीलदार?

सूत्रों के अनुसार अवैध कॉलोनाइजर को पहले ही नोटिस जारी किया गया था, लेकिन उसके बाद कार्रवाई ठंडे बस्ते में डाल दी गई। यदि समय रहते कड़ी कार्रवाई की जाती, तो सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा इतनी दूर तक नहीं बढ़ता। अब जब मामला उजागर हुआ तो जेसीबी चलाकर कार्रवाई दिखा दी गई।

सरकारी जमीनों की बंदरबांट के आरोप

नैनपुर नगर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में राजस्व, नजूल, घास और वन विभाग की जमीनों पर अवैध कब्जे और निर्माण की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कुछ भूमाफिया राजस्व विभाग के कर्मचारियों और अधिकारियों की मिलीभगत से सरकारी जमीनों को प्लॉटों में बदलकर बेच रहे हैं। सबसे गंभीर आरोप तो यह भी है कि श्मशान भूमि तक को प्लॉट बनाकर बेचने की चचाएँ सामने आ रही हैं। यदि यह सच है तो यह न केवल प्रशासनिक लापरवाही बल्कि पूरे सिस्टम पर बड़ा सवाल है।

पूर्व पटवारियों के कारनामे, जिम्मेदार कौन?

क्षेत्र में चर्चा है कि पूर्व में पदस्थ रहे कुछ पटवारियों के कार्यकाल के दौरान ही सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जे और कॉलोनियां बसने का खेल शुरू हुआ। अब सवाल यह उठ रहा है कि क्या उन मामलों की कभी जांच हुई या फाइलें सिर्फ दफ्तरों में दबा दी गईं?

बस स्टैंड निर्माण भी विवादों में

सिविल हॉस्पिटल नैनपुर के सामने प्रस्तावित बस स्टैंड निर्माण कार्य भी अब विवादों के घेरे में आ गया है। बताया जा रहा है कि यह क्षेत्र साइलेंट जोन में आता है, जिसके कारण निर्माण पर रोक लग गई है। ऐसे में यह सवाल उठ रहा है कि जब यह क्षेत्र साइलेंट जोन था तो निर्माण की अनुमति कैसे मिली और अब तक हुए भुगतान का जिम्मेदार कौन होगा?

वन और नजूल भूमि पर भी कब्जे

नैनपुर क्षेत्र में वन विभाग और नजूल भूमि पर भी कब्जों की शिकायतें सामने आ रही हैं। आरोप है कि कुछ मामलों में वन भूमि होने के बावजूद पटवारी और तहसील स्तर से आवंटन तक कर दिया गया, जो गंभीर जांच का विषय है।

थाना परिसर से लगी जमीन भी विवादित

नैनपुर थाने से लगी दीवार तोड़ने और खसरा नंबर 410 की नजूल जमीन पर निर्माण को लेकर भी मामला प्रशासनिक दफ्तरों के चक्कर लगा रहा है। शिकायत के बाद एसडीएम से लेकर तहसीलदार और आरआई-पटवारी स्तर तक पत्राचार हुआ, लेकिन अब तक जमीन की वास्तविक स्थिति साफ नहीं हो पाई है।

हाईकोर्ट में मामला, फिर भी पट्टे बांट दिए

नगर की 311 दुकानों का मामला हाईकोर्ट में लंबित होने के बावजूद राजस्व विभाग द्वारा 48 लोगों को धारणा अधिकार के तहत पट्टा आवंटित कर दिया गया। यह निर्णय भी सवालों के घेरे में है कि जब मामला न्यायालय में विचाराधीन था तो पट्टे कैसे जारी कर दिए गए।

बड़ा सवाल – कार्रवाई सिर्फ दिखावा तो नहीं?

नगर और ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार सामने आ रहे इन मामलों के बीच अब लोगों के मन में यह सवाल उठ रहा है कि क्या प्रशासन की कार्रवाई सिर्फ छोटे-मोटे अतिक्रमण तक ही सीमित है और बड़े भूमाफियाओं पर कार्रवाई करने से परहेज किया जा रहा है? यदि जिला प्रशासन वास्तव में सरकारी जमीनों को बचाना चाहता है, तो जरूरी है कि नैनपुर क्षेत्र में हुई सभी अवैध कॉलोनियों, जमीन आवंटन और राजस्व रिकॉर्ड की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए और दोषियों पर सख्त कार्रवाई हो। वरना यह कहना गलत नहीं होगा कि सरकारी जमीनों पर कब्जे का खेल बिना प्रशासनिक संरक्षण के संभव ही नहीं है।

तिपहिया ऑटो में ठूंस-ठूंसकर सवारियां छत पर बैठकर भी कर रहे सफर

कब जागेगा प्रशासन?

सवारी वाहनों की लोडिंग और जांच पर उठे सवाल

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। जिले में यातायात नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। मंडला नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में तीन पहिया ऑटो वाहनों में क्षमता से कई गुना अधिक सवारियां बैठाकर सड़कों पर दौड़ते देखे जा सकते हैं। हालत यह है कि ऑटो के अंदर 10 से 20 सवारी बैठाए जाते हैं और कई बार लोग छत पर बैठकर भी सफर करने को मजबूर हो जाते हैं। ऐसी स्थिति में किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है, लेकिन हैरानी की बात यह है कि इस ओर न तो यातायात विभाग का ध्यान है और न ही परिवहन विभाग की कोई ठोस कार्रवाई दिखाई देती है।

मनमानी ढंग से कहीं भी रोक देते हैं वाहन

नगर में ऑटो चालकों की मनमानी भी लोगों के लिए परेशानी का कारण बन चुकी है। कई चालक जहां मन आया वहीं अचानक ब्रेक लगाकर ऑटो रोक देते हैं। उन्हें इस बात की चिंता तक नहीं रहती कि पीछे से कोई वाहन आ रहा है या नहीं। इससे सड़क पर दुर्घटना का खतरा लगातार बना रहता है और आम नागरिकों को भारी परेशानी झेलनी पड़ती है। लोगों का कहना है कि इन ऑटो वाहनों में सफर करना अब सुरक्षित नहीं रहा और ‟सुरक्षित यात्रा" का दावा केवल कागजों में ही नजर आता है।

बिना फिटनेस और लाइसेंस के दौड़ रहे वाहन

जानकारी के अनुसार कई सवारी वाहन ऐसे भी हैं जिनकी फिटनेस समाप्त हो चुकी है या जो सर्वे ऑफ की श्रेणी में आते हैं। वहीं कुछ चालकों के पास वैध ड्राइविंग लाइसेंस तक नहीं है। इसके बावजूद ऐसे वाहन सड़कों पर फरार्टे भरते नजर आते हैं। सवारी के साथ-साथ इन वाहनों में भारी मात्रा में सामान भी भर दिया जाता है, जिससे संतुलन बिगड़ने और दुर्घटना होने की आशंका और बढ़ जाती है।

बाजार के दिन और बढ़ जाती है समस्या

बाजार के दिनों में स्थिति और भी ज्यादा गंभीर हो जाती है। आसपास के गांवों से आने वाले ऑटो और जीपों में सवारियों के साथ पशु आहार और अन्य सामान भी भरकर लाया जाता है। कई बार लगेज वाहनों जैसे छोटे हाथी में भी सामान के साथ यात्रियों को असुरक्षित तरीके से बैठाकर या लटकाकर सफर कराया जाता है।

सड़क पर मवेशियों का जमघट, हादसे का खतरा

आबादी वाले क्षेत्रों की सड़कों पर अक्सर मवेशी और कुत्ते खुले घूमते रहते हैं। ऐसे में तेज रफ्तार से गुजरने वाले सवारी और भारी वाहन किसी भी समय हादसे का कारण बन सकते हैं। कई मार्ग अंधे मोड़, चढ़ाई और ढलान वाले हैं, जिससे दुर्घटना की संभावना और बढ़ जाती है। स्थानीय निवासी शब्बीर खान का कहना है कि सड़को फरार्टे भरते ऑटो को आसानी से देखा जा सकता हैं और सड़कों पर पशु का जमावड़ा लगा रहता है जिस कारण से अक्सर जाम की स्थिति बन जाती है, जिस पर प्रशासन को ध्यान देना चाहिए। स्थानीय निवासी का कहना है कि यात्रियों की सुरक्षा के लिए परिवहन और यातायात विभाग को नियमित रूप से वाहन जांच अभियान चलाना चाहिए, ताकि संभावित हादसों को रोका जा सके।

प्रशासन से कार्रवाई की मांग

नगरवासियों का कहना है कि यदि समय रहते सवारी वाहनों की लोडिंग और फिटनेस की सख्त जांच नहीं की गई तो किसी भी दिन बड़ा हादसा हो सकता है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि क्षमता से अधिक सवारी ढोने वाले वाहनों पर सख्त कार्रवाई कर यातायात व्यवस्था को सुरक्षित बनाया जाए।

सुनियोजित साजिश का हुआ पदार्फाश लगाया अर्थदंड

राहुल भांवरे हत्याकांड: चार आरोपियों को आजीवन कारावास

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। जिले के बहुचर्चित राहुल भांवरे हत्याकांड में आखिरकार न्यायालय ने कड़ा फैसला सुनाते हुए चार आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। माननीय चतुर्थ अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, जिला मंडला की अदालत ने मामले को गंभीर आपराधिक षड्यंत्र मानते हुए आरोपी नीतेश कछवाहा, निशांत उर्फ सोनू कछवाहा, सुखचैन उर्फ दादी यादव और प्रशांत कछवाहा उर्फ निहुल को भारतीय दंड संहिता की धारा 302, 120-बी और 201 के तहत दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास और कुल 12 हजार रुपये के अर्थदण्ड से दंडित किया।

यह मामला उस समय सामने आया था जब 14 जून 2024 को मृतक की मां लीलाबाई भांवरे ने पुलिस चौकी हिरदेनगर में अपने पुत्र राहुल भांवरे के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। राहुल 12 जून की रात करीब 8 बजे घर से निकला था और इसके बाद रहस्यमय तरीके से गायब हो गया। परिजनों द्वारा काफी खोजबीन के बावजूद जब कोई सुराग नहीं मिला तो मामला पुलिस तक पहुंचा। जांच के दौरान 15 जून 2024 को ग्राम नेवरगांव के पास बंजर नदी से राहुल भांवरे का शव बरामद हुआ, जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। शव की पहचान मृतक की मां और पत्नी ने कपड़ों व हुलिए के आधार पर की। इसके बाद पुलिस ने मामले को गुमशुदगी से हत्या में बदलते हुए थाना महाराजपुर में अपराध क्रमांक 381/24 दर्ज किया और जांच तेज कर दी। पुलिस विवेचना में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, जिसके बाद उनके मेमोरेण्डम कथनों के आधार पर हत्या में प्रयुक्त रस्सी, खून लगा पत्थर, प्लास्टिक की बोतल, डिस्पोजल, मृतक के खून से सने कपड़े, नारियल का खोल तथा घटना में इस्तेमाल किया गया ऑटो बरामद किया गया। जांच में यह भी स्पष्ट हुआ कि आरोपियों ने पूर्व नियोजित षड्यंत्र रचकर राहुल भांवरे की हत्या की और सबूत मिटाने की कोशिश की, जिसके चलते प्रकरण में धारा 120-बी भी जोड़ी गई। मामले की संपूर्ण विवेचना के बाद पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध न्यायालय में चालान पेश किया। विचारण के दौरान गवाहों के बयान, बरामद साक्ष्य और अभियोजन के तर्कों से सहमत होते हुए न्यायालय ने चारों आरोपियों को दोषी करार देते हुए कठोर सजा सुनाई। अब बड़ा सवाल यह भी उठ रहा है कि आखिर एक युवक की हत्या की साजिश किस कारण रची गई और इतनी बड़ी वारदात की भनक पहले क्यों नहीं लग पाई? हालांकि न्यायालय के फैसले से मृतक के परिजनों को न्याय मिलने की उम्मीद जगी है, वहीं क्षेत्र में यह मामला लंबे समय तक चर्चा का विषय बना रहा। प्रकरण में शासन की ओर से प्रभावी पैरवी अपर लोक अभियोजक श्री ब्रजेश चौरसिया द्वारा की गई, जिनकी दलीलों और साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने आरोपियों को दोषी ठहराया।

चांगरिया में आयोजित हुआ अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर भव्य कार्यक्रम

दैनिक रेवांचल टाईम्स – मंडला। जिले के जनपद पंचायत बिछिया अंतर्गत ग्राम पंचायत चांगरिया में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में एक भव्य और प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ गढ़ा मंडला की वीरांगना रानी दुर्गावती जी के तैल चित्र पर माल्यार्पण अतिथियों के द्वारा की गई।इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री श्रीमती संपतिया उइके और जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। वही कार्यक्रम में सरपंच संघ के जिला अध्यक्ष अजय कुशराम, ग्राम पंचायत चांगरिया सरपंच दसरू मार्को, भीमा सरपंच रामकुमारी सैयाम,भावा माल सरपंच सरस्वती धुर्वे,अहमदपुर प्राचार्या द्रौपदी मरकाम, मेढ़ाताल प्राचार्या अल्पना झरिया, दिवारा पंचायत सरपंच अनीता सरवटे, मनोहरपुर सरपंच सुखवंती मरावी, मटियारी, सुरपन, बंजर, हालोन फेडरेशन के अध्यक्ष तथा बिछिया विचार मंच के समस्त सदस्य उपस्थित थे, जिनकी उपस्थिति ने कार्यक्रम को और भी प्रभावशाली बना दिया। वही इस कार्यक्रम का मंच संचालन करने वाली रामप्यारी नंदा एवं सरस्वती मर्सकोले ने इसे बहुत ही व्यवस्थित और आकर्षक रूप से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दौरान जगमंडल-अंजनिया रेंजर लतिका उपाध्याय ने महिलाओं को वन अधिकार के बारे में जानकारी दी। शिक्षा विभाग से उपस्थित व्याख्याता विज्ञान संकाय हॉस्टल अधीक्षिका सुनीता मरावी ने बेटियों को शिक्षा और आवास की व्यवस्थाओं के बारे में प्रकाश डाला।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनीं आमजनों की समस्याएं

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। प्रत्येक मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई जो कि 10 मार्च 2026 जिला योजना भवन में आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने आवेदकों की समस्याएं सुनी। 86 आवेदकों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रशासन के समक्ष प्रस्तुत किए। कलेक्टर श्री मिश्रा ने संबंधित अधिकारियों को आवेदनों का समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह, सीईओ जिला पंचायत शास्वत सिंह मीना, एसडीएम मण्डला श्रीमती सोनल सिडाम, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती क्षमा सराफ, संस्कार बावरिया सहित संबंधित विभागों के जिलाधिकारी उपस्थित थे।

माध्यमिक शिक्षक निलंबित, जनजातीय कार्य विभाग ने की अनुशासनात्मक कार्रवाई

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। जिले के जनजातीय कार्य विभाग ने माध्यमिक शाला डालाखापा (ब्लॉक नारायणगंज) में पदस्थ माध्यमिक शिक्षक रिंकू कुमार के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। शिक्षक को 2 सितंबर 2025 और 12 नवंबर 2025 को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए थे। पहले नोटिस का जवाब नहीं दिया गया और दूसरे के जवाब में संतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं पाया गया। शिक्षक ने अपने स्पष्टीकरण में दादाजी के स्वास्थ्य/निधन और अपनी आंखों के ऑपरेशन का उल्लेख किया था, लेकिन उन्होंने इसके समर्थन में कोई भी मेडिकल सर्टिफिकेट या साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किए। यह कार्रवाई म.प्र. सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील नियम) 1966 के नियम 9 (1) के तहत की गई है। निलंबन अवधि के दौरान उनका मुख्यालय विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी घुघरी निर्धारित किया गया है। उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता मिलता रहेगा। उनके विरुद्ध अब विभागीय जांच की जाएगी और पृथक से आरोप पत्र जारी किए जाएंगे।

स्वामी,प्रकाशक, मुद्रक, मुकेश श्रीवास द्वारा मां रेवा पब्लिकेशन जबलपुर 68/1 लक्ष्मीपुर विवेकानंद वार्ड मुस्कान प्लाजा के पीछे MR-4 रोड उखरी जबलपुर से मुद्रित एवं सिविल लाईन जवाहर वार्ड मंडला से प्रकाशित। प्रधान संपादक-मुकेश श्रीवास, सिविल लाईन, जवाहर वार्ड मंडला । मो. 9406771592, संपादक – प्रहलाद उइके
RNI. Reg. No MPHIN/2016/69877 (समाचार पत्र के लिये पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार) (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार मंडला) Email:- revanchaltimes@gmail.com web-revanchaltimes.in